10th ANNIVERSARY CELEBRATIONS

त्रिपुरी टाइम्स

www.tripuritimes.com

वर्ष 10 अंक 5 | जबलपुर, शुक्रवार 31 जनवरी 2025 | पृष्ठ संख्या : 8 | मूल्य : 2 रुपए

tripuritimes@gmail.com

शाह ने गुजरात में नए आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन पर समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को गुजरात में तीन नए आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन पर समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की और राज्य सरकार से 30 अप्रैल तक सभी आयुक्तालयों में इनका क्रियान्वयन सुनिश्चित करने की बात कही। गृह मंत्रालय ने एक बयान में कहा है कि बैठक में गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल शामिल हुये और बैठक में गुजरात पुलिस, जेल, अदालतों, अभियोजन और फोरेंसिक से संबंधित विभिन्न नए प्रावधानों के क्रियान्वयन और वर्तमान स्थिति की पर समीक्षा की। श्री शाह ने चर्चा के दौरान कहा कि तीनों नए आपराधिक कानूनों का सार किसी भी मामले में प्रथम सूचना रिपोर्ट (प्राथमिकी) दर्ज होने से लेकर उच्चतम न्यायालय के फैसले तक तीन साल के भीतर न्याय देने के प्रावधान में निहित है। केन्द्रीय गृह मंत्री ने नए आपराधिक कानूनों को लागू करने में गुजरात सरकार द्वारा अब तक

किए गए कार्यों की सराहना की और कहा कि राज्य सरकार को 30 अप्रैल तक सभी आयुक्तालयों के साथ ही जल्द से जल्द पूरे राज्य में नए आपराधिक कानूनों का क्रियान्वयन सुनिश्चित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा मासिक, राज्य के गृह मंत्री द्वारा पाक्षिक तथा मुख्य सचिव, अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) और पुलिस महानिदेशक के स्तर पर साप्ताहिक समीक्षा की जानी चाहिए। श्री शाह ने कहा कि गुजरात ने 10 वर्ष से अधिक की सजा वाले 92 प्रतिशत से अधिक मामलों में समय पर आरोप पत्र दाखिल करने में सराहनीय उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने कहा कि गुजरात ने जीरो प्राथमिकी को शत-प्रतिशत नियमित एफआईआर में परिवर्तित करने में सराहनीय कार्य किया है और एक ऐसी प्रणाली स्थापित करने की आवश्यकता पर बल दिया, जहां अपराध और अपराधी ट्रैकिंग नेटवर्क और सिस्टम (सीसीटीएनएस) के माध्यम से दो राज्यों के बीच प्राथमिकी स्थानांतरित की जा सके। गृह मंत्री ने यह भी सुझाव दिया कि गुजरात को सीसीटीएनएस 2.0 अपनाना चाहिए। उन्होंने नए कानूनों में इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य के प्रावधान के बारे में उल्लेख किया कि राज्य के गृह और स्वास्थ्य विभागों को यह सुनिश्चित करने के लिए बैठकें करनी चाहिए कि अस्पतालों से पोस्टमार्टम और अन्य चिकित्सा रिपोर्ट इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से प्राप्त हों। श्री शाह ने कहा कि पुलिस को इलेक्ट्रॉनिक डैशबोर्ड पर पूछताछ के लिए हिरासत में लिए गए लोगों का विवरण, जब्त किये गये सामान की सूची और अदालतों को भेजे जाने वाले मामलों के साथ उन्हें उपलब्ध कराना चाहिए। उन्होंने राज्य के पुलिस महानिदेशक को इन मामलों की निरंतर निगरानी करने के निर्देश भी दिए। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए एक परिपत्र जारी करना चाहिए कि संगठित अपराध, आतंकवाद, भीड़ द्वारा हत्या के प्रावधानों का दुरुपयोग न हो। बैठक में गुजरात के गृह राज्य मंत्री, केंद्रीय गृह सचिव, राज्य के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक, राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के महानिदेशक और केंद्रीय गृह मंत्रालय और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

केंद्र ने दी मंजूरी, अब 10 हजार करोड़ में खरीदे जाएंगे पिनाका रॉकेट सिस्टम समेत गोला बारुद

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय सेना के प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने इस महीने की शुरूआत में कहा था, जैसे ही हमें लंबी रेंज मिलेगी हम अन्य वैकल्पिक लंबी रेंज हथियारों पर विचार करना बंद कर सकते हैं और पिनाका पर ही ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। इस डील से भारतीय सेना की क्षमताओं में एक बड़ा इजाफा होगा और पिनाका सिस्टम को और भी घातक और प्रभावी बनाया जाएगा। अब इसकी शुरूआत हो गई है। भारत में निर्मित पिनाका मल्टी-लॉन्च आर्टिलरी रॉकेट सिस्टम के लिए एक बड़ी पहल करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति ने दो अहम सौदों को मंजूरी दी। इन सौदों की कुल कीमत लगभग 10,200 करोड़ है। इसके साथ ही पिनाका रॉकेट सिस्टम के शस्त्रागार पहले से कहीं अधिक घातक हो जाएंगे। पहला सौदा 5,700 करोड़ का है जिसमें हाई-एक्सप्लोसिव प्री-फ्रैगमेंटेड रॉकेट एम्युनिशन शामिल है। दूसरा सौदा 4,500 करोड़ का है जिसमें एरिया डिनायल एम्युनिशन शामिल है। यह सौदा भारतीय सेना द्वारा पहले से ही ऑर्डर किए गए 10 पिनाका रेजिमेंट्स के लिए है, जो भारतीय सेना के लिए आवश्यक हैं। हाई-एक्सप्लोसिव प्री-फ्रैगमेंटेड रॉकेट एम्युनिशन की स्ट्राइक रेंज 45 किलोमीटर तक है, जबकि एरिया डिनायल एम्युनिशन 37 किलोमीटर

की दूरी तक लॉन्च की जा सकती हैं। एरिया डिनायल एम्युनिशन में एंटी-टैंक और एंटी-पर्सनल माइनलेट्स भी शामिल हैं।ये दोनों प्रकार की एम्युनिशन नागपुर स्थित प्राइवेट सेक्टर कंपनी सोलर ग्रुप और सरकारी कंपनी एम्यूनिशन्स इंडिया लिमिटेड द्वारा 60:40 के अनुपात में तैयार किए जाएंगे। इन दोनों कंपनियों के साथ यह सौदे अगले कुछ दिनों में साइन किए जाएंगे।वर्तमान में भारतीय सेना के पास चार पिनाका रेजिमेंट्स हैं। इनमें से कुछ लॉन्चर चीन के साथ उत्तर सीमा पर ऊंचे इलाकों में तैनात किए गए हैं, जबकि बाकी छह रेजिमेंट्स का इंडक्शन जारी है। रिपोर्ट के मुताबिक, डीआरडीओ ने पिनाका के लिए विभिन्न प्रकार के रॉकेट एम्युनिशन विकसित किए हैं, जिनमें 45 किलोमीटर की रेंज और 75 किलोमीटर की गाइडेड रेंज शामिल है। अब योजना है कि इसकी रेंज को पहले 120 किलोमीटर तक और फिर 300 किलोमीटर तक बढ़ाया जाए।

बुराड़ी इमारत हादसाः 30 घंटे बाद जिंदा निकले एक ही परिवार के चार सदस्य

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के बुराड़ी इलाके में हुई बहुमंजिला इमारत के ढहने के हादसे के बाद 30 घंटों बाद एक परिवार के चार लोगों को जिंदा बाहर निकाला गया। राजेश, उनकी पत्नी गंगोत्री और दो बच्चों को बचाया गया जब बिल्डिंग की छत स्लैब एलपीजी सिलिंडर पर गिर गई थी। मलबे से चमत्कारिक रूप से बचे राजेश ने उस बताया कि मलबे में दबे रहने के दौरान मदद की गुहार लगाई, लेकिन आवाज बाहर तक नहीं पहुंच सकी। भूख प्यास से बुरा हाल था। वहां रखे टमाटर व कुछ मूंगफली और गुड़ की गजक बच्चों को जैसे-तैसे खिलाया। अंदर ऑक्सिजन की कमी थी। दम घुट रहा था। न रोशनी, न वेंटिलेशन। मलबे के ऊपर लगातार जेसीबी और क्रेन चलने की आवाज आ रही थी। यह डर भी था कि लेंटर कहीं बैठ न जाए। यदि ऐसा होता तो परिवार का बचना मुश्किल हो जाता। मलबे से सुरक्षित बचने वाले परिवार की यह कहानी ठहरी दिल को छू लेने वाली। अधिकारियों की दिन-रात की मेहनत और तत्परता से अब तक 21 लोगों को बचाया जा चुका है। पुलिस ने इमारत के मालिक के खिलाफ गैर इरादतन हत्या समेत भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि : राजघाट जाकर राष्ट्रपति मुर्मू, पीएम मोदी और राहुल ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की बुधवार 30 जनवरी को 77वीं पुण्यतिथि है। इस अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी समेत सभी बड़े नेताओं ने राजघाट पहुंचकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू समेत राजघाट पहुंचे पीएम मोदी, राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे समेत अनेक नेताओं ने श्रद्धांजलि अर्पित की है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म में लिखा, कि पूज्य बापू को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि। उनके आदर्श हमें एक विकसित भारत बनाने के लिए प्रेरित करते हैं। मैं देश के लिए शहीद हुए सभी लोगों को भी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और उनकी सेवा और बलिदान को याद करता हूं। वहीं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, कि गांधी जी सिर्फ एक व्यक्ति नहीं, वह भारत की आत्मा हैं, और हर भारतीय में आज भी जीवित हैं। इसी के साथ उन्होंने आगे कहा कि सत्य, अहिंसा और निडरता की शक्ति बड़े से बड़े साम्राज्य की जड़ें हिला सकती है, संपूर्ण विश्व उनके इन आदर्शों से प्रेरणा लेता है। राष्ट्रपिता, महात्मा, हमारे बापू को उनके शहीद दिवस पर शत-शत नमन। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इस अवसर पर एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, कि शहीद दिवस पर हम बापू को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। वे हमारे राष्ट्र के मार्गदर्शक रहे। सत्य, अहिंसा और सर्वधर्म समभाव वाले उनके विचार हमारे मार्ग को प्रकाशित करते रहते हैं। इसके साथ ही उन्होंने आगे कहा, कि हमें उन लोगों के खिलाफ लड़ने के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए जो समानता और सभी के उत्थान के उनके आदर्शों को नष्ट करना चाहते हैं। आइए हम भारत की विविधता में एकता की रक्षा करें और सभी के लिए न्याय और समानता सुनिश्चित करें। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि शहीद दिवस पर आज संपूर्ण देश उन्हें याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित कर रहा है।

शादी में शामिल होने देहरादून आई गुजरात हाईकोर्ट की चीफ जस्टिस के दो मोबाइल चोरी

नई दिल्ली, एजेंसी। आम लोगों के सामान की चोरी होना सामान्य बात है। लेकिन चोरी के दौरान उन्हें पता नहीं होता है कि वे जिसका सामान चुरा रहे हैं वो कोई वीआईपी है। ताजा मामला गुजरात हाईकोर्ट की चीफ जस्टिस का है, जिनके देहरादून में दो मोबाइल फोन चोरी हो गए। चोरी की वारदात मसूरी रोड स्थित एक विवाह समारोह के दौरान हुई। रजिस्ट्रार जनरल ने पुलिस में इसकी शिकायत दर्ज कराई। जिसके बाद राजपुर थाना पुलिस ने केस मामले की जांच शुरू कर दी है। राजपुर थानाध्यक्ष पीडी भट्ट ने बताया कि गुजरात हाईकोर्ट अहमदाबाद के रजिस्ट्रार जनरल मूलचंद त्यागी ने तहरीर दी। जिस पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ चोरी का मुकदमा दर्ज किया गया है। उधर, चोरी का मुख्य न्यायाधीश को पता लगने के वक्त ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। इस दौरान जांच पड़ताल में चोरी पता नहीं लग पाया। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने के साथ ही सर्विलांस के जरिए पुलिस मोबाइल चोरी करने के वाले की तलाश कर रही है। बता दें कि गुजरात हाईकोर्ट की चीफ जस्टिस सुनीता अग्रवाल 26 जनवरी को एक विवाह समारोह में भाग लेने के लिए फूटहिल गार्डन, न्यू मसूरी रोड, मालसी, देहरादून आई थीं। शाम 4.45 बजे से 5.15 बजे के बीच विवाह स्थल पर उनके दो आईफोन चोरी हुए। इनमें एक फोन चीफ जस्टिस के नाम पर और दूसरा रजिस्ट्रार जनरल कार्यालय के जरिए खरीदा गया। हाल ही में चीफ जस्टिस तब सुर्खियों में आई थीं जब हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान उनकी एक वकील से तीखी नोंकझोक हो गई थी।

जीबीएस से पुणे में हुई दूसरी मौत, अब तक 127 मामले आए

नई दिल्ली, एजेंसी। महाराष्ट्र में गुलेन बैरी सिंड्रोम से एक और शख्स की मौत हो गई है। इसके साथ ही इस बीमारी से मरने वालों की संख्या बढ़कर दो हो गई है जबकि 16 नए मामले सामने आए हैं। इस सिंड्रोम के अब तक 127 मामले सामने आ चुके हैं। इससे लगातार बढ़ रही संख्या को लेकर 200 ब्लड सैंपल एनआईवी पुणे भेजे गए हैं। इससे पहले गुलेन बैरी सिंड्रोम से पुणे शहर में पहली मौत का मामला सामने आया था। राज्य स्वास्थ्य विभाग ने इस संक्रमण में अचानक वृद्धि की जांच के लिए एक रैपिड रिस्पांस टीम (आरआरटी) का गठन किया था। गुलेन बैरी सिंड्रोम एक दुर्लभ स्थिति है, जो शरीर में अचानक सुन्नता और मांसपेशियों में कमजोरी का कारण बनती है। इसमें अंगों में गंभीर कमजोरी, दस्त आदि शामिल हैं। डॉक्टरों के मुताबिक, बैक्टीरिया और वायरल संक्रमण आमतौर पर जीबीएस का कारण बनते हैं क्योंकि वे रोगियों की इम्यूनिटी को कमजोर करते हैं। 14 साल के लड़के ने पिता की रिवॉल्वर से खुद को मारी गोली, आत्महत्या के कारणों का पता लगाने में जुटी पुलिस डॉक्टर बताते हैं कि जीबीएस बच्चों और युवाओं में पाया

जाता है। लेकिन इससे महामारी होने का खतरा नहीं है। अधिकांश मरीज इलाज से पूरी तरह ठीक हो जाते हैं। इस बीमारी में मृत्यु दर बहुत कम है इसलिए लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। यह एक ऑटोइम्यून न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर है। इस बीमारी में हमारा इम्यून सिस्टम अपनी ही नर्व्स पर अटैक करता है। इसके कारण लोगों को उठने-बैठने और चलने तक में समस्या होती है। यहां तक की लोगों का सांस लेना भी मुश्किल हो जाता है। लकवा की समस्या भी इस बीमारी का लक्षण है।दरअसल, हमारा नर्वस सिस्टम दो हिस्सों में होता है। पहला हिस्सा सेंट्रल नर्वस सिस्टम कहलाता है, जिसमें रीढ़ की हड्डी और ब्रेन वाला पार्ट होता है, जबकि दूसरे हिस्से में पेरिफेरल नर्वस सिस्टम आता है, जिसमें पूरे शरीर की अन्य सभी नर्व्स होती हैं।

क्लास में लाल साड़ी पहनकर आई प्रोफेसर ने छात्र से भरवा ली मांग, अब मचा घमासान

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के एक सरकारी विश्वविद्यालय में कक्षा में एक छात्र से शादी करने का महिला प्रोफेसर का वीडियो वायरल होने के बाद विवाद खड़ा हो गया है, जिसके बाद बुधवार को जांच के आदेश दिए गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। प्रोफेसर ने हालांकि दावा किया कि यह एक नाटक था जो उनके विषय की पढ़ाई का हिस्सा था। अधिकारियों ने कहा कि यह मामला नादिया जिले के हरिंगहाटा में मौलाना अबुल कलाम आजाद प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग का है। वीडियो में दुल्हन की तरह सजी प्रोफेसर और प्रथम वर्ष के छात्र को कक्षा में सिंदूर दान और माला बदल (जयमाला) समेत हिंदू बंगाली शादी के विभिन्न रीति-रिवाज निभाते देखा जा सकता है। अधिकारियों ने बताया कि वीडियो के वायरल होने पर विवाद खड़ा हो गया, जिसके बाद विश्वविद्यालय ने तीन सदस्यीय जांच समिति का गठन किया और प्रोफेसर से स्पष्टीकरण मांगा है। उन्होंने बताया कि प्रोफेसर ने विश्वविद्यालय के अधिकारियों को बताया कि यह एक साइको-ड्रामा था, जो उनके विषय की पढ़ाई का हिस्सा था और इसमें कुछ भी वास्तविक नहीं है। प्रोफेसर ने दावा किया कि वीडियो केवल विभाग के लिए ही रिकॉर्ड किया गया था और मनोविज्ञान विभाग की छवि को खराब करने के इरादे से इसे लीक कर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि जांच पूरी होने तक प्रोफेसर को छुट्टी पर जाने के लिए कह दिया गया है। एमएकेएयूटी के कार्यवाहक कुलपति तापस चक्रवर्ती ने कहा, प्रोफेसर ने स्पष्ट किया है कि यह उनके विषय की पढ़ाई का एक हिस्सा था। वीडियो बाहरी प्रसार के लिए नहीं था। उन्होंने बताया कि एक समिति मामले की जांच कर रही है जिसमें अन्य विभागों की तीन महिला संकाय सदस्य शामिल हैं। एक बातचीत में प्रोफेसर ने कहा कि यह फेशर्स पार्टी से जुड़े हुए प्रोजेक्ट की योजना का हिस्सा था और गलत तरीके से दिखाया गया है। उन्होंने कहा कि वीडियो को जानबूझकर उनकी छवि खराब करने के लिए लीक किया गया है। साथ ही उन्होंने कहा है कि वह इस लीक के जिम्मेदार लोगों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज करा सकती है।

27 साल पहले गुम हुआ युवक महाकुंभ में अघोरी साधु के रुप में मिला

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रयागराज महाकुंभ में एक परिवार 27 साल बाद अपने बिछड़े हुए परिजन से मिला। परिवार ने अब उनके मिलने की उम्मीद ही छोड़ दी थी। उन्हें मान लिया था कि या तो वह इस दुनिया में नहीं है और या फिर वह किसी ऐसे स्थान पर चले गए हैं, जहां से वापस आना संभव नहीं है। हालांकि, दिल की किसी कोने में उनके मिलने की उम्मीद बाकी थी। मामला झारखंड के परिवार का है। गंगासागर यादव अब 65 वर्ष के हैं। वह -अघोरी साधु- बन गए हैं। अब उनका नाम बाबा राजकुमार है। उनके परिवार ने बताया कि 1998 में पटना की यात्रा के बाद गंगासागर लापता हो गए थे। उनकी पत्नी धनवा देवी ने अपने दो बेटों कमलेश और विमलेश की अकेले परवरिश की।गंगासागर के छोटे भाई मुरली यादव ने कहा, हम उन्हें दोबारा देखने की उम्मीद खो चुके थे, लेकिन कुंभ मेले में गए हमारे एक रिश्तेदार ने गंगासागर जैसे दिखने वाले एक व्यक्ति की तस्वीर ली और हमें भेजी। इसके बाद मैं, धनवा देवी और उनके दो बेटों के साथ कुंभ मेला पहुंचा।मेले में पहुंचने पर परिवार का सामना बाबा राजकुमार से हुआ, लेकिन उन्होंने गंगासागर यादव के रूप में अपनी पूर्व पहचान स्वीकार करने से इनकार कर दिया। बाबा राजकुमार ने वाराणसी का साधु होने का दावा किया। उन्होंने और उनकी साध्वी साथी ने पूर्व के किसी भी संबंध से इनकार किया। हालांकि, परिवार अपने दावे पर अड़ा रहा, क्योंकि बाबा राजकुमार पूरी तरह से गंगासागर यादव से मिलते जुलते हैं, यहां तक कि उनके माथे और घुटने पर चोट के हूबहू वैसे ही निशान मिले जो गंगासागर यादव के थे।मुरली यादव ने कहा कि हम कुंभ मेले के अंत तक इंतजार करेंगे। अगर जरूरी हुआ तो डीएनए परीक्षण पर जोर देंगे। यदि परीक्षण में परिणाम मेल नहीं खाते तो हम बाबा राजकुमार से माफी मांगेंगे। इस बीच परिवार के कुछ सदस्य घर लौट आए हैं, जबकि अन्य अभी मेले में ही हैं। हम बाबा राजकुमार और साध्वी पर कड़ी नजर रख रहे हैं।

पीओके में सक्रिय आतंकियों के दो दर्जन ठिकानों पर छापे, आपत्तिजनक दस्तावेज मिले

नई दिल्ली, एजेंसी। आतंकियों का सफाया करने और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में सक्रिय आतंकियों के मंसूबे विफल करने के लिए पुलिस ने अभियान तेज कर दिया है। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने नियंत्रण रेखा के पार सक्रिय आतंकवादियों के 25 ठिकानों पर छापे मारे।राजोरी जिले में बड़े पैमाने पर छापे मारकर पुलिस ने आपत्तिजनक सामग्री बरामद की। पुलिस ने बताया कि नौशेरा, थानामंडी, दरहाल, कोटरंका, बुधल, मंजाकोट और चिंगस सहित कई स्थानों पर आतंकियों के घरों से महत्वपूर्ण दस्तावेज हाथ लगे हैं। जानकारी के अनुसार सुरक्षाबलों ने जम्मू संभाग में लगभग दो दर्जन स्थानों पर आतंकियों की तलाश में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चला रखा था। इस अभियान की समाप्ति के एक दिन बाद पुलिस ने सक्रिय आतंकवादियों के ओवर ग्राउंड वर्कर (ओजीडब्ल्यू) नेटवर्क ध्वस्त करने के लिए उनके अवासों पर गहन जांच की। एसएसपी गौरव सिकरवार बताया कि पुलिस स्टेशन राजोरी में दर्ज एफआईआर नंबर 447/2024 से जुड़ी जांच के हिस्से के रूप में छापे मारे गए। यह मामला राजोरी में सक्रिय आतंकवादी नेटवर्क से

संबंधित है। यह संगठन जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) और लश्कर-ए-ताइबा (एलईटी) जैसे प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों के साथ मिलकर जम्मू-कश्मीर में ओवरग्राउंड वर्कर (ओजीडब्ल्यू) को सक्रिय करने के लिए काम कर रहा है। सीआरपीएफ जवानों ने ऑपरेशन के दौरान पुलिस की सहायता की। शहर के पास टुंडी तरार में इफ्तिखार हुसैन और उनके भाई मोहम्मद परवाज के घरों पर छापा मारा गया। यहां एक घंटे से अधिक समय तक चली तलाशी के दौरान कुछ नहीं मिला। इनका भाई मोहम्मद असगर उर्फ बिल्ला उर्फ काका आतंकवादी है और इस समय नियंत्रण रेखा के पार से देशविरोधी गतिविधियों को अंजाम देने का काम कर रहा है। पुलिस ने कहा कि एनआईए की विशेष अदालत से सर्च वारंट के आधार पर तलाशी ली गई।

बापू की पुण्यतिथि पर बीजेपी व कांग्रेस नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में जुटे नेता; सीएम ने जापान में बापू को याद किया

भोपाल। महात्मा गांधी की आज 77वीं पुण्यतिथि है। इस मौके पर सरकार आज प्रदेश भर में शहीद दिवस का आयोजन कर रही है। वहीं बीजेपी, कांग्रेस सहित तमाम राजनैतिक दल बापू को श्रद्धांजलि दे रहे हैं। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भी बापू को श्रृद्धांजलि दी। सीएम ने जापान के कोबे शहर में गांधी जी की प्रतिमा पर पुष्पांजली अर्पित कर बापू को याद किया। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी जी का पूरा जीवन भारतीयों के लिए समर्पित रहा। मुख़्यमंत्री ने कहा कि अल्बर्ट आइंस्टीन ने गांधी जी के बारे में ठीक ही कहा था कि ह्लभविष्य की पीढ़ियों को इस बात पर विश्वास करने में मुश्किल होगी कि हाड़-मांस से बना ऐसा कोई व्यक्ति भी कभी धरती पर आया था।ह्व

इधर, भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे सभागार परिसर में लगी बापू की प्रतिमा पर बीजेपी और कांग्रेस के नेताओं ने श्रद्धांजलि दी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने मंत्री तुलसी सिलावट, विधायक भगवानदास सबनानी, रामेश्वर शर्मा, भाजपा जिला अध्यक्ष रविंद्र यति की मौजूदगी में बापू को श्रद्धांजलि दी। वहीं कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी समेत कांग्रेस कार्यकताओं ने कांग्रेस कार्यालय में बापू को श्रृद्धासुमन अर्पित किया।

कर्मचारियों ने 2 मिनट का सामूहिक मौन रखा

मंत्रालय के सामने पार्क में मुख्य सचिव अनुराग जैन की मौजूदगी में बापू को दी गई। श्रद्धांजलि ठीक 11:00 बजे सायरन बजाने के साथ ही मौन शुरू हुआ और 2 मिनट का मौन धारण करने के बाद बापू को पुष्पांजलि

देने के बाद अधिकारी कर्मचारी अपने काम के लिए रवाना हो गए। इसके अलावा, एमपी हाउसिंग बोर्ड मुख्यालय पयार्वास भवन में सभी अधिकारी और कर्मचारियों ने 2 मिनट का मौन रख शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

कांग्रेस ने प्रदेश भर में रखे कार्यक्रम

बापू की पुण्यतिथि के मौके पर प्रदेश कांग्रेस की ओर से सभी जिला, शहर कांग्रेस कमेटियों को महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर जिला अस्पतालों में मरीजों को फल वितरण, संगोष्ठी और सर्व धर्म सम भाव आदि कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही महात्मा गांधी जी के जीवन पर विस्तार से प्रकाश डाला जायेगा। कार्यक्रम में जिलों के वरिष्ठ कांग्रेसजनों, विधायकों, पूर्व सांसद, पूर्व विधायकों, प्रदेश पदाधिकारियों, कांग्रेस पक्ष के स्थानीय निकाय के जन प्रतिनिधियों, मोर्चा संगठनों, विभागों और प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों समेत अन्य सक्रिय कांग्रेसी कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे।

सीएम बोले- बापू हमारे आदर्श, रोजगार के अवसर बढ़ाने जापान आया हूं : सीएम ने जापान दौरे के बीच कोबे शहर में बापू को याद करते हुए कहा कि, गांधी जी ने अहिंसा, स्वतंत्रता और मानवता के लिए काम किया। बापू हमारे आदर्श हैं और प्रेरणा श्रोत हैं। बापू ने दुनिया भर में भारतीयों का मान सम्मान बढ़ाया है। आज उनकी पुण्यतिथि पर मैं उनको स्मरण करता हूं। मुख्यमंत्री ने कहा, मैं मध्य प्रदेश में निवेश और युवाओं लिए रोजगार के अवसरों को बढ़ाने के लिए जापान की यात्रा पर हूं। मध्यप्रदेश को लेकर जापान सहित बाकी देशों में भी रुझान बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत उत्तरोत्तर प्रगति कर रहा है। ऐसे में सभी राज्य सरकारों का दायित्व बनता है कि अपने राज्य में औद्योगिक निवेश को बढ़ाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जापान आर्थिक संपन्नता के साथ औद्योगिक क्षेत्र में काफी मजबूत स्थिति में है। जापान के लोग रिसर्च को महत्व देते हैं। यह देश कई प्रकार की संभावनाओं से भरा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरी यह यात्रा जापान और मध्य प्रदेश के संदर्भ में एक मील का पत्थर साबित होगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कुंभ में हुई भगदड़ में लोगों की मौत पर दुख जताया। कहा कि पुण्य आत्माओं को महाकाल अपने चरणों में जगह दें।

भोपाल में वेटिंग शिक्षकों का प्रदर्शन

आरकेएमपी पर महिलाओं ने काटे अपने बाल, कहा- सरकार मांगें नहीं मानेगी तो कराएंगे मुंडन

भोपाल। भोपाल के रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के सामने शिक्षक भर्ती अभ्यर्थी प्रदर्शन कर रहे हैं। उनके हाथ में कटोरा है। वहीं दूसरी ओर महिलाओं ने अपने बाल काटे हैं। अभ्यर्थी सरकार से खाली पदों को बढ़ाकर दूसरी काउंसिलिंग कराने की मांग कर रहे हैं। अभ्यर्थियों का कहना है कि उच्च माध्यमिक शिक्षक भर्ती वर्ग-1, 2023 के लिए दूसरी काउंसलिंग को लेकर लिखित आश्वासन नहीं दे रही है। प्रदर्शन कर रही अनुपमा शर्मा ने कहा, अगर आज सरकार हमारी मांगें नहीं मानती है, तो यहां सभी महिलाएं मुंडन कराएंगी। सरकार के लिए बेहद शर्म की बात होगी कि महिलाओं को इस तरह का कदम उठाने के लिए मजबूर होना पड़ा।

फ्री में पैसे नहीं चाहिए, सरकार नौकरी दें : अभ्यर्थी जिज्ञासा ठाकुर ने कहा, आप महिला सशक्तिकरण और बहनों की बात करते हैं। अगर बहनें लायक हो गई हैं, तो उन्हें उनका अधिकार दीजिए। हमें फ्री में

पैसे नहीं चाहिए। आपकी बहन शिक्षित है, उसे एक सम्मानजनक नौकरी दे दीजिए। हमने दो-दो चयन परीक्षाएं और पात्रता परीक्षाएं पास की हैं, बावजूद इसके हम वेटिंग में हैं।

सरकार जितनी भर्ती निकालती है, कम से कम उन पर तो पूरी तरह भर्ती करें। आज हमारी एक भी वेटिंग लिस्ट क्लियर नहीं हुई है। 8720 पदों में से 2900 पदों को भर दिया गया है, फिर भी हमारी वेटिंग क्लियर नहीं हुई। इतने सारे पद स्कूलों में खाली हैं, क्या उन्हें नहीं भरना चाहिए? सरकार हमें इस तरह सड़कों पर आंदोलन करने के लिए मजबूर न करे।

उच्च माध्यमिक शिक्षक भर्ती वर्ग-1, 2023 में रिक्त पदों की जानकारी गजट पत्र डीपीआई 27 दिसंबर 2024 के अनुसार, जनजातीय कार्य विभाग में लगभग 15,000 से अधिक पद रिक्त हैं। अभ्यर्थियों की मांग है कि इन रिक्त पदों को भरने के लिए सरकार दूसरी काउंसलिंग आयोजित करे।

अभ्यर्थी बोली- सीएम आत्मदाह की अनुमति दें या फिर करेंगे मुंडन : हम पिछले एक साल से प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन हमारी मांगें नहीं मानी गईं। यहां तक कि मुख्यमंत्री ने हमारी बात को संज्ञान में तक नहीं लिया, न ही वे चर्चा करना चाहते हैं। हमारा यही कहना है कि यदि मुख्यमंत्री पदों में वृद्धि नहीं करते हैं, तो हम मुंडन संस्कार करेंगे। या फिर मुख्यमंत्री हमें आत्मदाह की अनुमति दें। सरकार यदि रोजगार नहीं दे सकती, तो हमें जीवन में कुछ भी सार्थक नहीं दिखाई देता।

महाकुंभ भगदड़ में एमपी के 5 श्रद्धालुओं की मौत

छतरपुर की युवती घायल, ग्वालियर के दंपती लापता; सीएम बोले- जो जहां है, वहीं रहे

भोपाल। प्रयागराज महाकुंभ में 28 जनवरी की देर रात भगदड़ में मध्यप्रदेश के 5 लोगों की मौत हुई है। इनमें भोपाल के बृजमोहन शर्मा, नर्मदापुरम के उमेश सराठे, छतरपुर की हुकुम लोधी, रायसेन के मोहनलाल अहिरवार और शीला सोनी शामिल हैं। हुकुम की 19 साल की बेटी घायल है। इसके अलावा भितरवार के हरि साहू और उनकी पत्नी शकुंतला साहू लापता हैं।

मंगलवार-बुधवार की देर रात करीब 1.30 बजे प्रयागराज के संगम नोज इलाके में भगदड़ मच गई थी। प्रशासन के मुताबिक 30 जबकि भास्कर रिपोर्टर्स के मुताबिक 35-40 लोगों की मौत हुई है।

सीएम ने जताया दुख, बोले- जो जहां है, वहां सुरक्षित रहे

सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा- अमावस्या के दिन कुंभ में दुखद घटना हुई। कई लोग काल के गाल में समा गए। बाबा महाकाल उन्हें अपने चरणों में स्थान दें। मुझे जानकारी दी गई है कि उस यात्रा के दौरान मप्र के तीन लोगों ने मोक्ष प्राप्त किया है। घटना की जांच के लिए यूपी सरकार ने निर्देश जारी किए हैं। मैं निवेदन करना चाहता हूं कि अब जो जहां है, वहां सुरक्षित रहे। आने-जाने के मार्ग का निर्धारण कर सुरक्षित यात्रा पूरी करें। इससे पहले बुधवार रात सीएम ने छतरपुर की हुकुम लोधी के परिजन को 2 लाख रुपए की आर्थिक सहायता की घोषणा की थी।

भोपाल के बृजमोहन भगदड़ देख घबराए, फिर मौत : भोपाल के बैरसिया में सेमरा गांव के रहने वाले बृजमोहन शर्मा का शव बुधवार रात 12 बजे प्रयागराज से एंबुलेंस में लाया गया। गुरुवार सुबह 11 बजे उनका अंतिम संस्कार किया गया। एसडीएम आशुतोष शर्मा ने भी पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। वहीं, पटवारी ओमप्रकाश मालवीय भी मौके पर रहे। बृजमोहन महाकुंभ में शामिल होने के लिए दामाद के साथ 27 जनवरी को प्रयागराज गए थे। जब वहां भगदड़ हुई तो बृजमोहन कुछ ही दूर थे। सदमे में उनकी तबीयत बिगड़ गई और

उमेश सराठे | हुकुम लोधी | बृजमोहन शर्मा

बुधवार सुबह 7 बजे अस्पताल में मौत हो गई।

नर्मदापुरम से अपने सालों के साथ कुंभ गए थे उमेश : नर्मदापुरम के मरोड़ा गांव में रहने वाले उमेश सराठे को भगदड़ में घायल होने के बाद अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। गुरुवार सुबह 4 बजे शव मरोड़ा गांव लाया गया। उनके भाई अनिल सराठे ने बताया कि उमेश अजबगांव के रहने वाले अपने साले पप्पू, रामस्वरूप, बल्ला, रतनलाल और सुदामा सराठे के साथ तीन दिन पहले कुंभ गए थे।

बुधवार शाम को उमेश का शव एंबुलेंस में रखकर प्रयागराज से रवाना हुए। मरोड़ा से उमेश के भाई अनिल और अन्य लोग पिकअप वाहन से कटनी तक पहुंचे। इसके बाद कटनी से शव पिकअप में लेकर गांव लाया गया। आज सुबह उनका अंतिम संस्कार किया गया। उमेश सराठे के दो बेटे और एक बेटी है। उनकी बाबई में दुकान है।

कुंभ में हाथ पकड़े थे, इसलिए नहीं बिछड़े : मृतक उमेश सराठे के साले पप्पू सराठे ने बताया, हम 8 लोग 28 जनवरी को प्रयागराज पहुंचे थे। यहां दिन में सभी ने स्नान किया। रात में सभी हाथ पकड़कर साथ में खड़े थे। देखा तो लोग चिल्ला रहे थे। यहां-वहां भाग रहे थे। अफरा-तफरी के बीच हम भी एक साथ भागने लगे। जीजाजी उमेश घबराहट में नीचे गिर गए। जिसके बाद हम सभी घेरा बनाकर रुमाल डालकर खड़े हो गए। कुछ देर बाद पुलिस ने आकर हमें हॉस्पिटल पहुंचाया। जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हम सभी एक साथ रहे, जिससे हम बिछड़ नहीं पाएं।

यूपी सरकार से नहीं मिली मदद, 40 हजार रुपए लगे : मृतक के भाई अनिल सराठे ने बताया हम प्रयागराज से कटनी तक एंबुलेंस में शव लेकर आए। जिसमें 22 हजार रुपए लगे। कटनी से मरोड़ा तक में 18 हजार रुपए दिए। यूपी सरकार से हमें कोई मदद नहीं मिली। शव यहां तक लाने में कुल 40 हजार रुपए खर्च आया। समाज की रीत के अनुसार उमेश सराठे को नर्मदा नदी किनारे खरार्घाट पर दफनाया।

भगदड़ में छतरपुर की महिला की मौत, बेटी घायल : छतरपुर जिले की दो महिलाओं की मौत हो गई। महाकुंभ की भगदड़ में लोधी कुईया झंडा बाबा की रहने वाली शीला सोनी और सुनवाहा गांव की हुकुम लोधी (45) की मौत हुई है। हुकुम बेटी दीपा लोधी (19) घायल है। मां-बेटी बक्सवाहा के आसपास के गांव के 15 लोगों के साथ 27 जनवरी को प्रयागराज गई थीं।

भगदड़ में रायसेन जिले के गैरतगंज के उड़दमऊ जैतपुर गांव में रहने वाले मोहनलाल अहिरवार (45) की भी मौत हो गई। मोहनलाल पत्नी रामकली बाई के साथ कुंभ स्नान के लिए गए थे। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि भगदड़ के दौरान घबराहट में मोहनलाल को हार्ट अटैक आ गया। पहचान उनकी जेब में मिले आईडी कार्ड से की गई। मोहनलाल की पत्नी रामकली बाई सुरक्षित लेकिन सदमे में हैं। मोहनलाल के परिजन प्रयागराज के लिए रवाना हो गए हैं।

ग्वालियर के भितरवार के दंपती प्रयागराज में लापता : ग्वालियर में भितरवार के रहने वाले हरि साहू और शकुंतला साहू प्रयागराज महाकुंभ में लापता हो गए हैं। हरि साहू के बेटे राहुल ने बताया कि माताझपिता 27 जनवरी को निकले थे। मंगलवार शाम 5 बजे बात हुई थी। उन्होंने सुबह स्नान करने की बात कही थी। दोपहर करीब 11 बजे पिछोर के रहने वाले परिचित ने फोन पर भगदड़ की सूचना दी थी। परिचित ने माताजी के बिछड़ने की बात कही थी। पिताजी को कॉल किया लेकिन मोबाइल स्विच ऑफ मिला। प्रयागराज की हेल्पलाइन पर भी संपर्क की कोशिश की लेकिन कुछ पता नहीं चला।

खिलाड़ियों की उपलब्धि पर प्रदेश को गर्व: राज्यपाल पटेल

राज्यपाल ने दृष्टि-बाधित महिला क्रिकेट विजेता टीम को किया आमंत्रित

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने दृष्टि-बाधितों के लिए राष्ट्रीय महिला टी- 20 क्रिकेट टूनार्मेंट के पांचवें संस्करण की विजेता प्रदेश की टीम को राजभवन में आमंत्रित किया। उनके साथ चर्चा कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने विजेता टीम को बधाई देते हुए कहा कि खिलाड़ियों की उपलब्धि पर प्रदेश का हर नागरिक गर्व का अनुभव कर रहा है। उन्होंने खिलाड़ियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। राज्यपाल श्री पटेल आज राजभवन के बिलियर्ड्स हॉल में दृष्टि बाधितों के लिए पांचवें राष्ट्रीय महिला टी- 20 क्रिकेट टूनार्मेंट की विजेता टीम के खिलाड़ियों के साथ चर्चा कर रहे थे। राज्यपाल श्री पटेल ने टीम के सदस्यों से परिचय प्राप्त किया। टीम के खिलाड़ियों के साथ उनके व्यक्तिगत प्रदर्शन के संबंध में चर्चा की। टीम के गठन, बॉलिंग, बैटिंग और फील्डिंग संबंधी बारीकियों के बारे में भी खिलाड़ियों से जानकारी ली। राज्यपाल श्री पटेल ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि जिस तरह स्वच्छता सर्वेक्षण में 7 बार से इंदौर देश में प्रथम स्थान प्राप्त कर प्रदेश का नाम

रोशन कर रहा है। उसी तरह आपकी टीम भी लगातार विजेता रह कर नया कीर्तिमान कायम करे। राज्यपाल श्री पटेल को क्रिकेट एसोसिएशन फॉर दी ब्लाइंड मध्यप्रदेश के जनरल सेक्रेटरी श्री सोनू गोलकर ने बताया कि हाल ही में क्रिकेट एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड इन इंडिया (उअइक) द्वारा 13 से 18 जनवरी 2025 तक कोच्चि, केरल में राष्ट्रीय महिला टूनार्मेंट का आयोजन किया गया था। टूनार्मेंट में देश के कुल 19 राज्यों ने भाग लिया था। मध्यप्रदेश की महिला ब्लाइंड क्रिकेट टीम पूरे टूनार्मेंट में अपराजित रही। प्रदेश की टीम ने फाइनल मुकाबले में कर्नाटक को हराकर राष्ट्रीय टूनार्मेंट जीता है। उन्होंने बताया कि एमपी महिला ब्लाइंड क्रिकेट टीम का गठन वर्ष 2021 में किया गया। इतने कम समय में ही प्रदेश की महिला खिलाड़ियों ने गौरव पूर्ण उपलब्धि हासिल कर ली है। इस अवसर पर टीम की महिला खिलाड़ी आरती, नंदिनी कलमे, प्रिया कीर, पायल रावत, दुर्गा उइके, सुनीता सराठे, रेणुका चौहान, अनुष्का प्रजापति, शिल्पा निषाद, करिश्मा बारस्कर, सुषमा पटेल, खुशबू उइके, दुर्गा येवले, सिमरन डंगोड़े, दीक्षा वर्मा, मेनेजर दीपक पहाड़े और कोच ओमप्रकाश पाल उपस्थित थे।

मध्यप्रदेश में प्राइवेट स्कूलों की हड़ताल

राजधानी भोपाल में असर नहीं; इंदौर- उज्जैन में दिखा विरोध

भोपाल। मध्यप्रदेश में आज एमपी बोर्ड के पहली से आठवीं कक्षा तक के प्राइवेट स्कूल बंद हैं। बंद का आह्वान एमपी बोर्ड प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन ने किया है। मान्यता के नियम में रजिस्टर्ड रेंट एग्रीमेंट की शर्त के विरोध में बंद बुलाया गया है। इंदौर, जबलपुर, उज्जैन समेत प्रदेश के अन्य जिलों में बंद का असर देखा जा रहा है। हालांकि, इसका असर राजधानी भोपाल में नहीं देखा गया। प्राइवेट स्कूल संचालक एसोसिएशन के अनुसार इसका प्रभाव शहर से सटे ग्रामीण इलाकों में नजर आया हैं। प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष अजीत सिंह ने कहा कि सरकार ने मान्यता के नियमों को बहुत जटिल बना दिया है, जिससे सबसे अधिक कठिनाई ग्रामीण जिलों में हो रही है। वहीं एफडी अमाउंट लिया जा रहा है। सत्र 2025-26 की मान्यता में कई स्कूलों के बंद होने की संभावना है। स्कूल बंद होने से उनमें कार्यरत शिक्षक और कर्मचारी बेरोजगार हो सकते हैं और इससे जुड़े संस्थान भी प्रभावित होंगे। बच्चों की शिक्षा पर भी नकारात्मक असर पड़ेगा। वर्तमान में प्राइवेट स्कूलों से राजस्व बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है, जबकि पहले शिक्षा के महत्व को समझते हुए मान्यता नियमों को सरल रखा गया था। ऐसे में सवा लाख से अधिक शिक्षकों और स्कूल कर्मचारियों के बेरोजगार होने की संभावना है।

इंदौर में एमपी बोर्ड प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष गोपाल सोनी ने बताया कि इंदौर में 8वीं तक के 2600 प्राइवेट स्कूल हैं। मान्यता के लिए रजिस्टर्ड रेंट एग्रीमेंट की शर्त का विरोध और सुरक्षा निधि लेने की रोक की मांग को लेकर ये सभी स्कूल गुरुवार को बंद रहे। जबलपुर में टाउन हॉल में गांधी प्रतिमा के सामने निजी स्कूलों के संचालकों ने विरोध प्रदर्शन किया गया। उन्होंने नारेबाजी करते हुए एसडीएम अभिषेक सिंह को मांग पत्र सौंपा। प्राइवेट स्कूलों के संचालकों ने बताया कि, शिक्षा विभाग के 40 हजार रुपए डिपॉजिट, 4 हजार रुपए वार्षिक मान्यता शुल्क समेत 12 साल पुरानी स्कूल बसों के संचालन पर रोक लगाने जैसे नियमों में संशोधन किये जाने की मांग की जा रही हैं। उज्जैन में 50 से ज्यादा स्कूल संचालकों ने अपने-अपने स्कूल बंद कर टावर चौक पर प्रदर्शन किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कोबे में सिस्मेक्स कारपोरेशन सॉल्यूशन सेंटर का किया दौरा

मध्यप्रदेश में मेडिकल टेक्नोलॉजी में निवेश को लेकर हुई बैठक

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जापान के कोबे स्थित सिस्मेक्स कारपोरेशन सॉल्यूशन सेंटर का दौरा कर कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मेडिकल टेक्नोलॉजी और जीवन विज्ञान क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं पर गहन चर्चा की। सिस्मेक्स सॉल्यूशन वैश्विक डायग्नोस्टिक टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में अग्रणी कंपनी है, उन्नत चिकित्सा अनुसंधान और हेल्थकेयर नवाचार में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका के लिए प्रसिद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिस्मेक्स सॉल्यूशन सेंटर के निर्माण और अनुसंधान केन्द्र का दौरा कर कंपनी की अत्याधुनिक मेडिकल डिवाइस निर्माण तकनीक का अवलोकन किया। उन्होंने सिस्मेक्स के अधिकारियों से चर्चा करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश में हेल्थकेयर और मेडिकल टेक्नोलॉजी क्षेत्र में निवेश की अपार संभावनाएं हैं। राज्य सरकार इस क्षेत्र के सशक्तिकरण के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध होकर सिस्मेक्स जैसी कंपनियों के साथ दीर्घकालिक साझेदारी के लिए तैयार है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिस्मेक्स को मध्यप्रदेश में निवेश के लिये

आमंत्रित करते हुए कहा कि राज्य सरकार उज्जैन के समीप एक मेडिकल डिवाइस पार्क स्थापित कर रही है, जिसमें विश्वस्तरीय आधारभूत सुविधाएं और विशेष वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश पहले से ही फार्मास्युटिकल सेक्टर में एक मजबूत स्थिति रखता है, जिससे मेडिकल डिवाइस उद्योग के लिए अनेक अवसर उपलब्ध हैं। प्रदेश में 275 से अधिक फार्मा इकाइयां कार्यरत हैं और यहां से 160 से अधिक देशों को फार्मा उत्पादों का निर्यात किया जाता है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिस्मेक्स को आमंत्रित करते हुए कहा कि उज्जैन में स्थापित हो रहे मेडिकल डिवाइस पार्क में अत्याधुनिक मैन्युफैक्चरिंग यूनिट और अनुसंधान केंद्र स्थापित किए जा सकते हैं। इस केंद्र में भारत के लिए नए और उन्नत मेडिकल उपकरणों पर अनुसंधान किया जा सकता है और जापानी विशेषज्ञ भारतीय इंजीनियरों और तकनीशियनों को प्रशिक्षण प्रदान कर सकते हैं। राज्य सरकार नई तकनीकों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है, जिससे एआई-संचालित मेडिकल टेस्ट, डिजिटल हेल्थ सेवाएं और मोबाइल हेल्थ यूनिट जैसी सुविधाएं विकसित की जा सकें। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने यह भी बताया कि मध्यप्रदेश का देश के केन्द्र में स्थित होना निवेशकों के लिए फायदेमंद है। यहां से पूरे भारत में मेडिकल उपकरणों की आपूर्ति आसानी से की जा सकती है और वैश्विक स्तर पर निर्यात को भी प्रोत्साहित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सरकार निवेशकों को हर संभव सहायता प्रदान करेगी, जिसमें बेहतर आधारभूत सुविधाएं, टैक्स में विशेष रियायतें और उद्योगों को अनुकूल माहौल उपलब्ध कराना शामिल है। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने सिस्मेक्स के अधिकारियों को आगामी 24-25 फरवरी को भोपाल में आयोजित होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आमंत्रण भी दिया और कहा कि इस मंच पर कंपनी को निवेश से जुड़ी विस्तृत जानकारी और संभावनाओं पर चर्चा करने का अवसर मिलेगा।

MoU between ICAR-CIFE Mumbai and Nanaji Deshmukh Veterinary Science University Jabalpur M.P.

वीयू का आई सी ए आर – केन्द्रीय मत्स्यकी शिक्षण संस्थान मुंबई से एम ओ यू

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर के माननीय कुलपति प्रो मनदीप शर्मा जी के प्रयास से विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के छात्र छात्राओं तथा फैकेल्टी के उत्थान हेतु एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया जिसमें विश्वविद्यालय का करार आई सी एआर– सी आई एफ ई मुंबई से 5 वर्ष की अवधि के लिए किया गया। जिसके समझौते पर नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो मनदीप शर्मा जी तथा सी आई एफ ए के कुलपति डॉ सी एन रविशंकर जी द्वारा हस्ताक्षर किये गये। इस समझौते का मुख्य उद्देश्य संयुक्त रूप से अनुसंधान गतिविधि, शैक्षणिक गतिविधियों तथा उक्त गतिविधियों हेतु वि वि के वैज्ञानिक तथा छात्र छात्राओं का आदान–प्रदान किया जा सकेगा। वैज्ञानिक तथा शैक्षणिक परस्पर्ता बढ़े जिस हेतु विश्वविद्यालय द्वारा सहयोग का दायरा निर्धारित किया गया है जिसमें कि दोनों यूनिवर्सिटी संयुक्त रुप से अनुसंधान तथा परियोजना के कार्य में भागीदारी करेंगे व उच्च गुणवत्ता के साइंटिफिक जनरल्स में पेपर पब्लिश कर सकेंगे। इस समझौते से मत विज्ञान महाविद्यालय के छात्र छात्राएं अच्छे अनुसंधान प्रयोगो द्वारा प्रदेश के मत्स्यकी क्षेत्र का उत्थान करने में सहायक होंगे तथा मत्स्य पालकों के प्रति अपने दायित्व को निभा सकेंगे।

सिटीज 2.0 के क्रियान्वयन से शहर का कचरा प्रबंधन होगा बेहतर : निगमायुक्त

सिटीज 2.0 की तैयारियों की निगमायुक्त ने की समीक्षा

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा फ्रंच डेवल्पमेंट एजेंसी, यूरोपियन एवं भारत सरकार की अधिकृत एजेंसी नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ अर्बन अफेयर्स के साथ मिलकर सिटीज 2.0 प्रतियोगिता के अंतर्गत जबलपुर शहर का चयन हुआ था। इसके आगे की तैयारी के लिए निगमायुक्त प्रीति यादव के द्वारा लगातार मंथन किया जा रहा है, जिसके तहत आज स्वच्छता एवं स्मार्ट सिटी के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर सिटीज 2.0 की तैयारियों एवं क्रियान्वयन के संबंध में समीक्षा की। समीक्षा के दौरान निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव ने बताया कि सिटीज 2.0 के क्रियान्वयन से शहर का कचरा प्रबंधन एक ओर बेहतर होगा वहीं दूसरी ओर प्लास्टिक, ई-कचरा, और ऑर्गेनिक वेस्ट के लिए अलग-अलग पुर्नचक्रण सुविधाएँ विकसित होंगी। निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव ने बताया कि योजना के क्रियान्वयन के बाद जैविक कचरे से वायो सी.एन.जी. गैस एवं खाद भी तैयार होगी जिससे भविष्य में सी.एन.जी. वाहनों को ग्रीन ईंधन प्राप्त होगा। इससे शहर का प्रदूषण को भी कम करने में काफी मदद् मिलेगी। उन्होंने बताया कि उक्त परियोजना के अंतर्गत शहर के एकीकृत अपशिष्ट प्रबंधन (इंटीग्रेटेड सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट) कार्य को सुदृढ करने कार्य किया जाएगा। जिसमें कचरा कलेक्शन से उसके डिस्पोजल सायकल में आने वाली कमियों को चिन्हित कर उन्हे दूर करने की कार्ययोजना भारत सरकार द्वारा स्वीकृत की गई है। परियोजना से शहर के नागरिकों को स्वच्छता एवं सफाई व्यवस्था की सेवाओं को लाभ मिलेगा, कचरा संग्रहण के वाहनों की संख्या के बढने से प्रतिदिन घर-घर कचरा संग्रहण बेहतर होगा। इसके साथ नगर निगम को कचरा कलेक्शन के उपरांत उसके निपटान के लिए बेहतर संसाधन उपलब्ध होंगें जिससे कचरा प्रबंधन में समय की बचत के साथ खर्चे में कमी आएगी। नगर निगम के लिए शहर की सफाई व्यवस्था की निगरानी तंत्र को मजबूत किया जाएगा। समीक्षा बैठक में स्मार्ट सिटी के सी.ई.ओ. अनुराग सिंह, अपर आयुक्त व्ही.एन. बाजपेयी, उपायुक्त श्रीमती अंकिता जैन, सहायक नोडल अधिकारी अभिनव मिश्रा, सहायक यंत्री अर्पित नेमा, तकनीकि अधिकारी बालेन्द्र शुक्ला, अंकुर खरे, गजेंद्र सिंह आदि उपस्थित रहे।

एसएल मेहरा अध्यक्ष और इंजी. भूपेंद्र मेहरा सचिव चुने गए

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर (मेहरा ट्रस्ट आफ इंडिया/मेहरा समाज ट्रस्ट) के गठन स्थापना किये जाने हेतु महत्व पूर्ण बैठक का आयोजन किया गया । बैठक में सर्वप्रथम डॉ. बीआर अम्बेडकर के तलचित्र पर दीप प्रज्वलित, तिलक, वंदन एवं पुष्प अर्पित कर कार्यकम का शुभारंभ किया गया । कार्यक्रम की अध्यक्षता एसएल मेहरा और संचालन इंजी. भूपेंद्र मेहरा द्वारा किया गया। उपरोक्त बैठक में उपस्थित सम्मानीय सदस्यों के द्वारा मेहरा समाज ट्रस्ट के गठन से संबंधित अपने विचार एवं सुझाओ प्रस्तुत किये गए और विस्तार पूर्वक चर्चा की गयी। तत्पश्चात (मेहरा समाज ट्रस्ट) का गठन किये जाने हेतु सर्व सहमति से आदरणीय एसएल मेहरा को (अध्यक्ष) और इंजी. भूपेंद्र मेहरा को (सचिव) के पद हेतु चुना गया। बैठक में पधारे समस्त स्थायी सदस्यों को स्मृति चिन्ह सप्रेम भेट कर सम्मनित करते हुये अभार प्रकट किया गया।

यह रहे उपस्थित : बैठक में प्रमुख रूप से तेजी लाल झारिया, रमेश कुमार वालिया, धनीराम झारिया, अमित मेहरा, योगेश मेहरा, इंजी. राजेश मेहरा, एडवोकेट कंचन सिंह मेहरा, राजकुमार मेहरा, इंजी. दीपान्शु झारिया, जय कुमार मेहरा, लीलेष झारिया, एडवोकेट रजनी झारिया श्रीमती अंजना डहेरिया, श्रीमती शशि झारिया, कु. अंशी मेहरा, कु.यशी मेहरा इत्यादि की उपस्थिति सराहनीय रही।

रांझी के 10 हजार निवासियों को मिलेगा लाभ

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

रांझी क्षेत्र अंतर्गत स्थित शारदानगर ,रामनगर ,शांति नगर ,उदयनगर ,गोकलपुर ,क्षेत्र में लगभग 37 हेक्टेयर भूमि(93 एकड़ भूमि) का इल्लूस्र में नोईयत(मद) परिवर्तन हो रहा है जिससे लगभग 2016परिवारों तथा 10000 लोगों को लाभ प्राप्त होगा। जिसके संबंध में आज में टीएनसीपी एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम द्वारा निरीक्षण किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान विधायक केन्ट अशोक रोहाणी, दामोदर सोनी एमआईसी सदस्य, विधायक प्रतिनिधि सचिन जैन सहारा सावित्री ठाकुर, पुष्पराज सिंह सेंगर मंडल अनुराग दाहिया पार्षद संतोषी ठाकुर पार्षद ठाकुर पुष्पराज सेंगर, एल एन रावत, रघुवीर सिंह मरावी एसडीएम, टीएण्डसीपी से विपुलमाहुले उपसंचालक, राजीव मिश्रा तहसीलदार उपस्थित थे।

संत रामपाल के अनुयायियों ने लिया एक बार फिर देहदान का संकल्प

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

देहदान को महादान भी कहा जाता है। हाल ही में, मध्यप्रदेश के जबलपुर जिले में, कटनी से आए संत रामपाल महाराज के शिष्यों ने मेडिकल अस्पताल में स्वेच्छा से 128 देहदान संकल्प फॉर्म भरे। देहदान के फॉर्म मेडिकल अस्पताल कॉलेज के एनाटॉमी विभाग प्रमुख डॉ. अग्रवाल तथा मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. नवनीत सक्सेना जी को सौंपे, जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार किया। इस पहल की सराहना करते हुए डॉ. अग्रवाल जी ने बताया कि संत रामपाल जी महाराज के अनुयाई नरसिंहपुर, कटनी, जबलपुर आदि जिलों में देहदान और रक्तदान जैसे महत्वपूर्ण कार्य कर रहे है। संत रामपाल जी महाराज जी के शिष्यों द्वारा किया गए यह कार्य अत्यंत सराहनीय है। संत जी के अनुयाइयों ने बताया कि ये प्रेरणा उन्हे उनके गुरुदेव संत रामपाल जी महाराज से मिली। देहदान करने से मेडिकल छात्रों को मृत शरीर पर प्रयोग करने का मौका मिलता है। इसकी मदद से कई अन्य लोगों को नवजीवन भी मिलता है। जगतगुरु तत्वदर्शी संत रामपाल महाराज के पावन सानिध्य मे दिनांक 6,7 व 8 फरवरी को आयोजित 507वें कबीर निर्वाण दिवस (कबीर परमेश्वर ने उत्तर प्रदेश के मगहर में लाखों लोगों की मौजूदगी में सशरीर सतलोक गमन किया था।) उस दिन को यादगार बनाये रखने के लिए निर्वाण दिवस के रूप मे मनाया जाने लगा। एवं दिनांक 15,16 व 17 फरवरी को तत्वदर्शी संत रामपाल जी महाराज जी के बोध दिवस (यह पावन दिन 17 फरवरी 1988 को संत रामपाल जी ने परम पूज्य गुरुदेव स्वामी रामदेवानंद महाराज से दीक्षा प्राप्त की थी।) पर महासमागम का आयोजन सतलोक आश्रम, उड़दन जिला बैतूल, मध्यप्रदेश मे किया जा रहा है। जिसमे होने वाले है:– तीन दिवसीय अखंड पाठ, शुद्ध देशी घी से निर्मित भंडारा, रक्तदान शिविर, दहेजमुक्त विवाह और आध्यात्मिक प्रदर्शनी जैसे अद्भुत कार्यक्रम होंगे। हम आप सभी से विनम्र अनुरोध करते हैं कि सपरिवार इस पावन अवसर पर जरूर पधारें, और परमात्मा की असीम कृपा का लाभ प्राप्त करें।

मृत्यु दर में कमी लाने दो दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

नवजात एवं शिशु मृत्युदर में कमी लाये जाने के लिए 2 दिवसीय राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मध्यप्रदेश के द्वारा एवं यूनीसेफ के सहयोग से Regional Level IKMC एवं DSC प्रशिक्षण का आयोजन होटल कल्चुरी, जबलपुर में किया गया। प्रशिक्षण मेडिकल कॉलेज, जबलपुर एवं रीवा सहित रीवा संभाग सागर संभाग एवं जबलपुर संभाग के शिशुरोग विशेषज्ञ / स्त्रीरोग विशेषज्ञ एवं नर्सिंग ऑफीसर ने भाग लिया। उल्लेखनीय है कि लगभग 70 प्रतिशत नवजात शिशुओं की मृत्यु समय से पहले जन्म होने के कारण मानसिक और शारिरिक विकास पूर्ण न होने के कारण होता है। प्रशिक्षण में बच्चे को मॉ से बच्चें अलग नहीं करना एवं एसे कौशल को सिखाया गया कि, इन अपरिपक्व बच्चों का मानसिक विकास अच्छे से हो सके। कार्यशाला में क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य सेवायें, जबलपुर संभाग डॉ. संजय मिश्रा के द्वारा प्रदेश में नवजात / शिशु मृत्यु को कम करने के लिये स्वास्थ्य विभाग निरंतर प्रयासरत है इसी कड़ी इस प्रशिक्षण का आयोजन किया गया है, डॉ. मिश्रा द्वारा समस्त चिकित्सा अधिकारियों एवं नर्सिंग ऑफीसर को प्रशिक्षण उपरान्त अपनी स्वास्थ्य संस्था में अमल करने एवं जिला स्तर पर समस्त चिकित्सा अधिकारियों / पैरामेडिकल स्टॉफ को प्रशिक्षित करने पर जोर दिया गया। प्रशिक्षण में विभागाध्यक्ष शिशुरोग विभाग, मेडिकल कॉलेज, जबलपुर डॉ. मोनिका लाजरस, हेल्थ ऑफीसर यूनीसेफ, म०प्र० भोपाल डॉ. अमित डोंगरा मास्टर डॉ. पल्लवी लौंदे, शिशुरोग विशेषज्ञ, रानी दुर्गावती चिकित्सालय, जबलपुर डॉ. जया उपाध्या ऐसोसियेट प्रोफेसर, डॉ. रश्मि परिहार असिस्टेंट प्रोफेसर मेडिकल कॉलेज, जबलपुर भी सम्मिलित । समस्त प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किये गये।

यादें मां जी की जयंती के अवसर पर विचार गोष्ठी एवं सम्मान समारोह आज

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

समरस भारत – समर्थ भारत के लिये सब सबको जाने – सब सबको माने, एक अभियान के अंतर्गत समरसता सेवा संगठन द्वारा यादें मां जी की जयंती के अवसर पर विचार गोष्ठी एवं सम्मान समारोह का आयोजन आज दोपहर 3:00 बजे से वर्मा बारातघर स्टेट बैंक चौक विजय नगर में किया गया है। समरसता सेवा संगठन के अध्यक्ष संदीप जैन ने सभी से उपस्थिति की अपील की है।

विचारधारा को अधिक से अधिक लोगो तक पहुंचाना हो लक्ष्य

ग्रामीण जिला अध्यक्ष ने जनप्रतिनिधियों एवं वरिष्ठ जनों की उपस्थिति में किया पदभार ग्रहण

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

भारतीय जनता पार्टी जबलपुर ग्रामीण के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष श्री राजकुमार पटेल ने जनप्रतिनिधियो एवं पार्टी के वरिष्ठ जनों की उपस्थिति में संभागीय कार्यालय रानीताल में पदभार ग्रहण किया। पार्टी कार्यालय में लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, विधायक अजय विश्नोई, सुशील तिवारी इंदु, नीरज सिंह, संतोष बरकड़े, प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, जिप अध्यक्ष आशा गोंटिया विनोद गोंटियां, नंदनी मरावी ने नवनियुक्त ग्रामीण जिला अध्यक्ष को पदभार ग्रहण कराया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने नवनियुक्त अध्यक्ष को शुभकामनाएं देते हुए कहा भारतीय जनता पार्टी विश्व का सबसे बड़ा राजनैतिक दल होने के साथ साथ लोकतांत्रिक व्यवस्था से चलने वाला संगठन है और कार्यकर्ता ही हमारी पूंजी है और संगठन ने एक योग्य और जिम्मेदार कार्यकर्ता को जिला अध्यक्ष का दायित्व दिया है और हम सभी को विश्वास है कि नवनियुक्त अध्यक्ष अपने कार्य को संगठन की मंशा के अनुरूप बेहतर तरीके से करेंगे और हमारे संगठन की विचारधारा को अधिक से अधिक लोगो तक पहुंचाना प्रमुख लक्ष्य है इस दिशा में सभी के साथ कार्य करेंगे। नवनियुक्त ग्रामीण जिला अध्यक्ष राजकुमार पटेल ने इस अवसर पर कहा संगठन ने मेरे जैसे कार्यकर्ता यह दायित्व दिया है और सभी वरिष्ठ जनों ने जो अपेक्षा मुझसे की है इस पर पूरे प्रण प्राण से पूरा करने का प्रयास करूंगा साथ ही सभी को साथ लेकर हर बूथ तक पार्टी को मजबूत करने का कार्य हम करेंगे। श्री पटेल ने जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी के लिए संगठन और वरिष्ठ जनों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष रानू तिवारी, पूर्व विधायक नरेंद्र त्रिपाठी, पूर्व अध्यक्ष ओमप्रकाश पटेल, महामंत्री राजेश राय, राजेश दाहिया के साथ भाजपा के सभी पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष उपस्थित थे।

बढ़ते अपराध और पुलिस की निष्क्रियता के खिलाफ नागरिकों ने सौंपा ज्ञापन

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

लार्डगंज थाना क्षेत्र में बढ़ते अपराध,अवैध नशे के कारोबार और पुलिस प्रशासन की निष्क्रियता के खिलाफ गुरुवार को नागरिकों ने एनएसयूआई की राष्ट्रीय सचिव देवकी पटेल के नेतृत्व में थाने का घेराव कर पुलिस अधीक्षक और नगर पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा। नागरिकों ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में गांजा और शराब की अवैध बिक्री खुलेआम हो रही है, जिससे असामाजिक तत्वों का मनोबल बढ़ रहा है। देवकी पटेल ने कहा कि इस अवैध कारोबार के कारण महिलाओं की सुरक्षा खतरे में पड़ गई है और युवाओं में अपराध की प्रवृत्ति बढ़ रही है। पुलिस प्रशासन अपराधियों पर कार्रवाई करने की बजाय मूकदर्शक बना हुआ है और कुछ पुलिसकर्मियों पर अपराधियों को संरक्षण दे रहे हैं जिससे उनके हौसले बुलंद है। उन्होंने मांग कि लार्डगंज थाना क्षेत्र में अवैध नशे के कारोबार पर तुरंत रोक लगाई जाए।

यह रहे उपस्थित : प्रदर्शन में मुख्य रूप से विधायक लखन घनघोरिया, पूर्व विधायक विनय सक्सेना,नेता प्रतिपक्ष अमरीश मिश्रा,मोना कौरव,विवेक अवस्थी,नीलेश जैन,पंकज पांडे,राजेश यादव,रज्जु सराफ,रितेश बंटी, पंकज पटेल,इन्दजीत कुशवाहा, विवेक पटेल,प्रदीप पटेल, रिजवान अली कोटी,सागर शुक्ला,पंकज पटेल रविंद्र गौतम,भावना निगम, पूनम उसरेटे,देवेन्द्र शर्मा, गुड्डु चौबे, अखिलेश सेठ, राजेश पटेल,रवि सोनकर,सुरेन्द्र यादव,विनय सोधिया,रोशनी,शानू ,आरती, रेखा,प्रवेन्द चौहान,रेतेश नामतानी,अशोक चौधरी, प्रतीक गोतम ,सक्षम यादव,शफी खान सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

भारत पर्व 26 जनवरी 2025 में संस्कारधानी के काजल डांस ग्रुप द्वारा बुन्देली नृत्य की जिला पांढुर्ना में शानदार प्रस्तुतियां दी

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

मध्य प्रदेश शासन द्वारा आयोजित भारत पर्व 26 जनवरी 2025 जिला पांढुर्ना में प्रशासन द्वारा लक्ष्मी मंगल भवन प्रेक्षा गृह में मुख्य अतिथि जिला अध्यक्ष अजय देव वर्मा जी एवं पुलिस अधीक्षक महोदय श्री सुन्दर सिंह कनेश के मुख्य अतिथ्य में संस्कारधानी के काजल डांस ग्रुप द्वारा बुंदेली लोकनृत्य की बधाई एवं राई आदि गीतों पर बुन्देली लोक नृत्यों प्रस्तुतियां दी जिसमें इन कलाकारों में जिसमें ग्रुप की संचालिका काजल चकवर्ती, हिमांशी साहू, संजना चौधरी, दीपिका साहू रंजीता उइके अर्चना एवं किंजल चकवर्ती तथा ढोलक पर मिहिर चकवर्ती, टिमकी मोहन अहिरवार मनोज, एवं मृदंग पर छिदामी लाल यादव थे। नगर के कलाकारो द्वारा सराहनीय कार्यकम प्रस्तुत किया गया।

जनसुनवाई में महिला ने किया आत्मदाह का प्रयास

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

जिले के कलेक्टर कार्यालय में गत दिनों जनसुनवाई के दौरान एक महिला द्वारा अपने ऊपर ज्वलनशील प्रदार्थ पेट्रोल छिड़ककर आत्मदाह करने का प्रयास किया, जिसे तत्काल बचा लिया गया। महिला का कहना था कि उसके मकान पर कब्जा किये जाने की शिकायत पर कार्यवाही नहीं होने से वह सरकारी दफ्तरों के चक?कर काट रही है, जिससे परेशान होकर उसने जनसुनवाई के दौरान यह कदम उठाया। मप्र मानव अधिकार आयोग के क्षेत्रीय कार्यालय प्रभारी फरजाना मिर्जा ने बताया कि समाचार पत्रों में प्रकाशित समाचार के आधार पर मामले में संज्ञान लेकर मध?यप्रदेश मानव अधिकार आयोग की मुख्यपीठ भोपाल में प्रकरण पर सुनवाई करते हुए, सदस्य राजीव कुमार टण्डन की एकलपीठ ने जनहित में मानव अधिकारों के हनन का मामला मानकर, जबलपुर के कलेक?टर एवं पुलिस अधीक्षक से मामले की जांच कराकर, की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन एक माह में तलब किया है।

अपना सुधार ही संसार की सर्वश्रेष्ठ सेवा है– श्रीमती तिवारी

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

मनुष्य में देवत्व के उदय एवं धरती पर स्वर्ग के अवतरण की अवश्यंभावी परिकल्पना पं. श्रीराम शर्मा आचार्य द्वारा की गई और उनके द्वारा दिए गए। सूत्र वाक्य हम सुधरेंगे–सुधरेगा, हम बदलेंगे– युग बदलेगा को घर–घर , गांव–गांव पहुंचाने के लिए गायत्री परिवार लगातार कार्य कर रहा है। वरिष्ठ गायत्री परिजन स्वर्गीय डुमारी लाल जी पटेल की स्मृति में ग्राम कुडारी– उमरिया में त्रिदिवसीय पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ कराया जा रहा है। पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ कलश यात्रा के साथ प्रारंभ हुआ, जिसके प्रथम दिवस देव स्थापना कलश पूजन एवं सभी 33 करोड़ देवी देवताओं के आवाह्न के साथ गायत्री महायज्ञ प्रारंभ किया गया। गायत्री परिवार के वरिष्ठ परिजन श्री रामकुमार गौतम जी के निर्देशन में कलश यात्रा निकाली गई ! श्रीमती मधु नामदेव, श्रीमती कविता तिवारी, श्रीमती ममता चौरे, श्रीमती दीप्ति मिश्रा ने कलश पूजन कराया ! श्री अम्बिका प्रसाद सेन, अश्विनी गौतम, अरुण पांडे, रामजीत कुशवाहा, अतुल सेन, श्रीमती प्रभा खम्परिया, श्रीमती ज्योति त्रिपाठी, ,श्री बी. एस. राजपूत, श्रीमती विमला राजपूत ने व्यवस्थात्मक सहयोग प्रदान किया । ग्रामवासियों ने नित्य गायत्री महामंत्र करने एवं शाकाहारी वस्तुओं के सेवन करने का संकल्प लिया।

उद्योग और व्यापार को प्रोत्साहित करने वाला हो बजट

बजट 2025 से अपेक्षाएं जबलपुर चेम्बर

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

जबलपुर चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा आयोजित पत्रकार वार्ता में आगामी बजट (1 फरवरी 2025) पर विभिन्न संघटनों ने केन्द्र सरकार द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले बजट पर अपनी अपेक्षाएं व्यक्त की। भारत की वित्त मंत्री श्रीमति निर्मला सीतारमण लगातार आठवी बार बजट पेश करने की तैयारी कर रही है। वहीं आम आदमी बढ़ती महगाई, बेरोजगारी और घटती खपत के बीच कुछ राहत की उम्मीद लगा रहा है। राष्ट्रीय साख्यिकी कार्यालय का अनुमान है 2024–2025 में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 6.4 प्रतिशत रहेगा। महामारी के दौरान आई गिरावट के बाद से सबसे कम ग्रोथ रेट है भारत का विकास चक्र अवरूद्ध हो गया है। जबलपुर चेम्बर के अध्यक्ष प्रेम दुबे का कहना है कि मध्यमवर्ग को ध्यान रख कर बजट पेश करना चाहिए। आम आदमी के लिये सबसे पीड़ादायक टैक्स का बोझ है। सरकार से उम्मीद की जाती है कि वो आयकर में 10 लाख रुपये तक की छूट दे कर राहत दे। व्यापारी और उद्योग जगत बजट में जीएसटी में कमी कर उद्योग को मजबूती देने वाले प्रावधानों की मांग की है। छोटे उद्योगों के लिये (पीएलआई) स्कीम शुरू करें ताकि मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा मिले। "मेक इन इंडिया" तभी सफल होगा जब सरकार इनके लिये विशेष योजनाएं लाए। घरेलु मैन्युफैक्चरिंग की मदद के लिये कस्टम डयूटी में फेरबदल, "प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव" के माध्यम से छोटे उद्योग को जोडे। यह बजट उद्योग–व्यापार और भारत की अर्थव्यवस्था को बूस्ट करने वाला होना चाहिए। कर विशेषज्ञ अनिल अग्रवाल ने कहा कि छोटे उद्योग और व्यापार भारत में पूरी तरह से बंद होने कि कगार में है वित्तमंत्री को चाहिए कि छोटे उद्योगों को सस्ती और सुलभ ऋण सुविधा मिल सके इसका प्रावधान होना चाहिए एवं टैक्सों में राहत दे कर इन्हें बचाने का प्रयास करें। आयकर एवं जीएसटी सरलीकरण क्षेत्र में कार्य होना चाहिए और व्यापारियों पर अनुपालन का बोझ कम होना चाहिए। चेम्बर उपाध्यक्ष नरिन्दर सिंह पांधे ने पर्यटन पे बात करते हुए कहा कि जबलपुर एवं महाकौशल को पर्यटन के क्षेत्र में विश्व स्तर पर देखना चाहते है। महाकौशल एवं जबलपुर में पर्यटन की अपार संभावनाए हैं उन्होंने आगे बोलते हुए कहा कि आज सरकार के पास पैसों की कमी नहीं है सरकार को भेडाघाट, धुआंधार, खजुराहो, पन्ना टाइगर रिजर्व, कान्हा नेशनल पार्क, बाधवगढ़ पैच बरगी डेम, अमरकंटक इस पूरे सर्कल को टूरिस्ट हब बनाना चाहिए ताकि पर्यटकों को आकर्षित किया जा सके। और आगे उन्होंने कहा कि डीजल पेट्रोल को जीएसटी के अंतर्गत लाने का वादा पूरा करना चाहिए। साथ ही साथ टोल टेक्स एवं स्क्रैप नीति में भी परिवर्तन करना चाहिए। चेम्बर द्वारा आयोजित इस पत्रकार वार्ता में चेम्बर अध्यक्ष प्रेम दुबे, राधेश्याम अग्रवाल, दीपक जैन, नरिन्दर सिंह पांधे, अनिल अग्रवाल (सीए), जितेन्द्र पचौरी राकेश श्रीवास्तव, प्रेम परसवानी, दीपक सेठी, श्रेय अग्रवाल, प्रीति चौधरी, शशिकांत पांडेय, उमेश गावकर आदि उपस्थित थे।

इन्वेस्टर्स मीट में 20 हजार करोड़ का होगा निवेश

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

आगामी 24–25 फरवरी को भोपाल में इन्वेस्टर मीट का आयोजन मध्य प्रदेश सरकार द्वारा किया जा रहा है। जबलपुर रीजन के इन्वेस्टर्स के साथ गुरुवार को कलेक्टर जबलपुर ने मीटिंग की। उन्होंने इन्वेस्टर्स मीट के विषय में बताया इन्वेस्टर्स की परेशानियां भी सुनी और सुझाव भी दिए। बैठक के बाद इन्वेस्टर्स ने बताया कि फूड प्रोसेसिंग, टेक्सटाइल गारमेंट, टूरिज्म एवं विभिन्न सेक्टर में निवेश की अपार संभावना है। अभी तक हम लोगों ने 13000 करोड़ के निवेश के प्रस्ताव दे दिए हैं। 20 हजार करोड़ के प्रस्ताव आने की संभावना है। वही कलेक्टर जबलपुर ने बताया कि आगामी 24–25 फरवरी को भोपाल में इन्वेस्टर्स मीट का आयोजन हो रहा है। जबलपुर रीजन के इन्वेस्टर के साथ हमने बैठक की है। अभी तक 9 हजार करोड़ के प्रस्ताव आ चुके हैं। महाकौशल रीजन से एक बड़े इन्वेस्टमेंट की संभावना हैं।

संपादकीय

संसदीय समितियों में सहमति की बजाय हो रहा हंगाम, लोकसभा अध्यक्ष को भेजी गई लिखित शिकायत

संसदीय समितियों से अपेक्षा की जाती है कि जिन विधेयकों पर सदन में सहमति न बन पाए, उन पर कानूनी दृष्टि से विचार-विमर्श कर सुझाव पेश करें। कई बार कुछ विधेयकों या कानूनों में संशोधनों पर विपक्ष आपत्ति उठाता और उन्हें संयुक्त संसदीय समिति में विचार की मांग करता है। ऐसा इसीलिए होता है कि संसदीय समितियों की निष्पक्षता पर सबको भरोसा होता है। संवैधानिक भावना यह है कि संसदीय समितियों को सत्तापक्ष के दबदबे से दूर रखा जाए, ताकि विचार के लिए आए विषयों पर तार्किक और निष्पक्ष ढंग से विचार हो सके। मगर पिछले कुछ समय से जिस तरह संयुक्त संसदीय समितियों में हंगामे देखे गए हैं, उससे उनकी प्रासंगिकता पर ही सवाल उठने लगे हैं। वक्फ संशोधन विधेयक पर विचार कर रही संयुक्त संसदीय समिति में एक बार फिर हंगामा हुआ और उसके अध्यक्ष ने दस विपक्षी सांसदों को एक दिन के लिए निलंबित कर दिया। विपक्षी सांसदों का आरोप था कि अध्यक्ष सरकार के इशारों पर काम कर रहे हैं और वे विपक्ष को अपनी बात रखने का मौका ही नहीं देना चाहते। इसकी लिखित शिकायत भी उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष को भेजी है। दरअसल, सरकार ने वक्फ कानूनों में संशोधन का विधेयक तैयार किया है। उसके मुताबिक वक्फ के फैसलों को भी अदालत में चुनौती दी जा सकती है। फिर, कोई भी ऐसी जमीन, जिसे दान में नहीं दिया गया है और वहां मस्जिद या अन्य इबादतगाह बनाई गई है, तो उसे अवैध कब्जा माना जाएगा। दरअसल, इस संशोधन को लेकर मुसलिम धर्मगुरुओं, नेताओं और विपक्ष ने आशंका जाहिर की थी कि सरकार नए संशोधन कानून के जरिए वक्फ की संपत्ति पर कब्जा करना चाहती है। इसलिए सदन में बिना बहस के ही सरकार ने उस विधेयक को संयुक्त संसदीय समिति के समक्ष विचार के लिए भेज दिया था। समिति को अपने सुझाव बजट सत्र में पेश करना है। मगर जिस तरह समिति की बैठकें हंगामे की भेंट चढ़ती रही हैं, उससे नहीं लगता कि कोई सर्वमान्य फैसला हो पाएगा। इस संशोधन विधेयक के खिलाफ कई मुसलिम संगठन भी संयुक्त संसदीय समिति के समक्ष विरोध जता चुके हैं। किसी संयुक्त संसदीय समिति में जब भी अध्यक्ष सत्तापक्ष का होता है, तो ऐसे विवाद की गुंजाइश बनी ही रहती है। वक्फ कानून वैसे भी संवेदनशील विषय है, इसलिए अगर इस पर राजनीतिक नफे-नुकसान के मद्देनजर विचार रखे जाएंगे, तो उनके निष्पक्ष रहने का दावा नहीं किया जा सकता। सरकार के पिछले कार्यकाल के वक्त भी संसदीय समितियों के गठन और उनके अध्यक्षों की नियुक्ति को लेकर खासा विवाद उठा था। जिन समितियों के अध्यक्ष पद पर सत्तापक्ष के किसी सांसद को नहीं नियुक्त किया जाना चाहिए, उन पर भी सत्तापक्ष काबिज हो गया था। तब भी संसदीय समितियों की प्रासंगिकता पर सावल उठे थे। संयुक्त संसदीय समिति में हर दल और पक्ष के लोग रखे ही इसलिए जाते हैं, कि वहां किसी विवादित विषय पर हर कोण से विचार-विमर्श हो सके और एक सर्वमान्य, सर्वहितकारी कानून बनाया जा सके। मगर शायद यह मकसद अब गौण मान लिया गया है और इन समितियों को भी राजनीतिक रस्साकशी का मंच बना दिया गया है। इसे लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप नहीं कहा जा सकता। अध्यक्ष और विपक्षी दलों को भी आपसी सहमति बनाने की कोशिश करनी चाहिए, वरना संयुक्त संसदीय समितियां एक दिखावा भर बन कर रह जाएंगी।

कांग्रेस की विभाजनकारी राहों से जुड़े खतरे

कांग्रेस पार्टी की नीति हमेशा से विभाजनकारी रही है। इनका एजेंडा ही रहा है देश में जाति, धर्म, भाषा और क्षेत्र के नाम पर बंटवारा करके अराजकता का माहौल बनाना। इसके लिये वह कभी संविधान को खतरे में बताती है तो कभी जातिगत जनगणना की मांग करती है। एक बार फिर डॉ. भीमराव आंबेडकर की जन्मस्थली महू में रैली के दौरान कांग्रेस ने जिस तरह इस पर जोर दिया कि संविधान पर हमला किया जा रहा है और महात्मा गांधी का अपमान किया जा रहा है, उससे उसकी विचारशून्यता एवं राजनीति अपरिपक्वता ही प्रकट नहीं हो रही है,, बल्कि देश को बांटने की मानसिकता भी उजागर हो रही है। यदि कांग्रेस के रणनीतिकार एवं नेता यह समझ रहे हैं कि वे संविधान के संदर्भ में भय का भूत खड़ा करने और भाजपा एवं संघ के नेताओं के बयानों को तोड़-मरोड़कर पेश करने से देश की जनता को गुमराह करने, बरगलाने में समर्थ हो जाएंगे तो ऐसा अब होने वाला नहीं है। उलटे इस क्रम में कांग्रेस की विश्वसनीयता और अधिक गिर सकती रही है और वह हास्यास्पद स्थिति का शिकार होकर अपनी राजनीतिक जमीन को कमजोर ही कर रही है। ऐसा हरियाणा, महाराष्ट्र के चुनावों में हुआ है और अब दिल्ली के विधानसभा चुनाव भी ऐसे ही होते हुए दिख रहे हैं।

संविधान के खतरे में होने के कांग्रेस के दुष्प्रचार का लाभ भले ही कुछ सीमा तक लोकसभा चुनाव मिला हो, लेकिन हर बार मतदाता ऐसे नारों एवं दुष्प्रचार में गुमराह नहीं होने वाला है। वैसे भी काठ की हांडी बार-बार नहीं चढ़ती। कांग्रेस इस बात को भी तूल दे रही है कि महात्मा गांधी के साथ डॉ. आंबेडकर का अपमान किया जा रहा है। ये ऐसी बातें हैं, जिनका कोई मूल्य-महत्व नहीं। यह सब अंधेरे में तीर चलाने जैसा है। यह असत्य एवं झूठ की राजनीति है। कांग्रेस भले ही सामाजिक न्याय को बढ़ावा देने की बातें कर रही हो, लेकिन सच यह है कि वह सामाजिक विभाजन की खाई को चैड़ा करते हुए देश को जोड़ने नहीं, बल्कि तोड़ने में जुटी हुई है। अब मतदाता समझदार हो चुका है, वह ऐसे झूठे प्रचार में बार-बार नहीं आने वाला है। कांग्रेस सामाजिक न्याय की बात करते हुए भाजपा के साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को भी निशाने पर ले रही है, लेकिन कांग्रेस की इन कुचालों का भाजपा एवं आरएसएस करारा जबाव दे रहे हैं।

गत दिवस ही संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कांग्रेस एवं उसके नेता राहुल गांधी को नसीहत देते हुए कहा- बंधुभाव ही असली धर्म है। यही बात डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर ने संविधान-प्रस्तुति के समय अपने भाषण में भी समझाई है। भागवत ने कहा- समाज आपसी सद्भावना के आधार पर काम करता है। इसलिए मतभेदों का सम्मान किया जाना चाहिए। प्रकृति भी हमें विविधता देती है। वे विविधता को जीवन का हिस्सा मानते हैं। उन्होंने कहा कि आपकी अपनी विशेषताएं हो सकती हैं, लेकिन आपको एक-दूसरे के प्रति अच्छा व्यवहार करना चाहिए। अगर आप जीना चाहते हैं, तो आपको एक साथ रहना चाहिए। लेकिन कांग्रेस वर्तमान में ही नहीं, बल्कि अतीत में भी विभाजनकारी नीति को बल देते हुए भारतीय इंसानों को बांटती रही है। गांधीजी ने आजादी के बाद ही यह बात समझ ली थी। इसीलिए गांधीजी ने कहा था कि कांग्रेस को खत्म कर देना चाहिए। लेकिन कांग्रेस गांधी के अनुसार तो खत्म नहीं हुई लेकिन देश में विभाजनकारी नीति के कारण जनता द्वारा नकारी जा रही है, खत्म होने के कगार पर पहुंच रही है।

कांग्रेस भारत की 'सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय' की भावना को दबा रही है, सनातन परंपरा को दबा रही है। अनेक वर्षों तक दिल्ली पर राज करने वाली कांग्रेस सत्ता में वापस आने के लिए इतनी बेचैन है कि वो हर दिन नफरत, द्वेष एवं घृणा की राजनीति कर रही है। कांग्रेस सांप्रदायिकता और जातिवाद के विष को दिल्ली चुनाव में भी उडेल रही है। हिंदू समाज को तोड़ना और उसे अपनी जीत का फॉर्मूला बनाना ही कांग्रेस की राजनीति का आधार है और यही उसको रसातल में ले जा रहा है। कांग्रेस की जातिगत जणगणना की मांग भी उसकी विभाजनकारी नीति को ही दर्शाती है। मोदी सरकार जनगणना कराने की तैयारी कर रही है। सरकार के सामने समस्या केवल यह नहीं है कि जनगणना शीघ्र कराई जाए बल्कि मूल समस्या यह है कि कांग्रेस की जाति आधारित जनगणना की मांग का सामना कैसे किया जाए। विपक्षी दल और विशेष रूप से कांग्रेस जातिगत जनगणना पर जोर दे रही है, जो केवल संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थों के इरादे से की जा रही है। जातिगत जनगणना का उद्देश्य समाज को चुनावी लाभ के लिए जातियों में गोलबंद करना और जातिगत आरक्षण को तूल देकर वोटबैंक की राजनीति को धार देना है। इसकी पुष्टि विपक्षी नेताओं और विशेष रूप से राहुल गांधी के ऐसे बयानों से होती है कि अमुक-अमुक जाति के लोगों को दबाया जा रहा है। यह और कुछ नहीं, समाज को जानबूझकर बांटने की घातक चेष्टा है।

यह सही है कि भारतीय समाज जातियों में विभाजित रहा है, लेकिन अब जब यह विभाजन लगातार कम होता जा रहा है, तब जाति जनगणना कराकर जाति की राजनीति करने वालों को सामाजिक विभाजन का अवसर नहीं दिया जाना चाहिए। क्योंकि यह जातीय वैमनस्य को ही हवा देगा और इससे विभाजनकारी प्रवृत्तियों के सिर उठाने का ही खतरा है। जातिगत जनगणना बेहद जटिल होने के साथ विभाजनकारी भी है। यही कारण है कि 2011 में मनमोहन सरकार ने जाति जनगणना कराने के बाद भी उसके आंकड़े सार्वजनिक करना सही नहीं समझा था। क्योंकि कई ऐसी जातियां हैं, जिनकी एक राज्य में सामाजिक और आर्थिक हैसियत दूसरे राज्य से बिल्कुल भिन्न है। इतना ही नहीं, कहीं उनकी गिनती अनुसूचित जाति में होती है तो कहीं पिछड़ी जाति में। जाति जनगणना के पीछे यह तर्क दिया जाता है कि पिछड़ेपन का एकमात्र आधार जाति है। एक समय ऐसा था, लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। आज शहरों में किसी को इससे मतलब नहीं कि कौन किस जाति का है। जाति जनगणना कराने का मतलब होगा देश को फिर से जातीय विभाजन की ओर ले जाना। इससे बचने में ही समझदारी है। कांग्रेस एवं विपक्षी दलों का मोदी और भाजपा के विरोध के अलावा कोई साझा उद्देश्य नहीं है, उलटे उनमें दलगत हितों और महत्वाकांक्षाओं का तल्ख टकराव है। दो लोकसभा चुनावों में हाशिये पर रहे विपक्षी दल तीसरे चुनाव के लिए एक साथ तो आए, पर मकसद पूरा न होने पर वापस अपनी-अपनी राह चलने को बेताब हैं।

दिल्ली चुनाव में महिला वोटरों की उदासीनता, फ्रीबीज के खिलाफ आधी आबादी

अरविंद केजरीवाल ने अपने चुनावी घोषणापत्र में एक बार फिर फ्रीबीज की झड़ी लगाई है। कितने सफल होंगे ये तो आने वाला समय ही तय करेगा। पर, अब इतना जरूर है, लोग फ्री की सौगातों से ऊबने लगे है। श्रमबल को तरजीह देने वाली आधी आबादी, भी अब मुफ्त की चुनावी रेबड़ियों पर ध्यान नहीं देगी। इसी कारण जारी दिल्ली विधानसभा चुनाव के प्रचार-प्रसार में महिला वोटरों की उदासीनता बड़े पैमाने पर दिखने लगी है। पांच फरवरी को होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव के कूदे कुल 699 उम्मीदवारों में 96 महिला कैंडिडेट भी हैं। पर, वैसा उत्साह नहीं दिखता, जितना पिछले चुनावों में दिखा था। जबकि, प्रमुख दल आम आदमी पार्टी, भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस तीनों महिला वोटरों को रिझाने में मुफत के वादों की झड़ी लगाए हुए हैं। कोई 2100 रूपए देने का वादा कर रहा है तो 2500 और 3000 तक भी? फ्री बस सेवा सभी के एजेंड़ों में हैं। अब, सवाल यहां ये उठता है, इतनेलुभावने वादों के बाद भी महिला वोटरों में उत्साह क्यों नहीं है? इस डरावनी तस्वीर से न सिर्फ सफेदपोश परेशान हैं, बल्कि चुनाव आयोग भी चिंतित है। चुनावी समर में लगातार तेजी से गिरता वोटिग प्रतिशत चुनावी प्रक्रिया के अलावा लोकतंत्र के लिए भी घातक है। जबकि, बीते 2019 और 2024 के लोकसभा चुनावों में महिलाओं का वोटिंग स्कोर पुरुषों के मुकाबले अधिक था।

शायद, महिलाएं भी अब समझ चुकी हैं कि फ्री के नाम पर राजनीतिक दल उन्हें वोट बैंक के तौर पर इस्तेमाल करने लगे हैं? महिलाएं बुनियादी मुद्दों की गंभीरताओं को अच्छे से समझती हैं। राज्य तरक्की करे उसमें उनकी भागीदारी हो, को ध्यान में रखकर ज्यादातर महिलाएं मुफ्त की रेवड़ियां से तौबा करना शुरू कर दिया है। इस संबंध में एक ताजा और बेहतरीन उदाहरण सामने है। पिछले विधानसभा चुनाव में बिहार में जब नीतीश कुमार ने शराब बंदी का ऐलान करके चुनाव लड़ा, तो महिलाओं ने बढ़चढ कर हिस्सा लिया और उन्हें सत्ता पर बैठा दिया। देश और सामाजिक उद्धार वाले मुद्दों के प्रति महिलाएं कितनी सजग हैं, इससे खूबशूरत उदाहरण दूसरा कोई नहीं हो सकता। केंद्रीय स्तर पर जब से आत्मनिर्भरता की अलख चहुंओर जगी है। तब, से महिलाएं भी श्रमबल को ज्यादा तवज्जो देनी लगी हैं। ये अच्छी बात है, इससे राजनीतिक दल अपनी हरकतों से बाज आएंगे। शायद यही कारण है दिल्ली में महिलाओं की चुनाव के प्रति उदासीनता है। क्योंकि, सभी दल मुद्दों-समस्याओं को छोड़कर फ्री की सेल लगाकर बैठे हैं। ऐसे दलों का पुरजोर विरोध होना ही चाहिए। विरोध से ही सरकारें टैक्सपेयर्स का पैसा बर्बाद करने से पीछे हटेंगी। महिलाओं की उदासीनता के बूते ही दिल्ली चुनाव इस बार नई तस्वीर पेश करेगा। मौजूदा सरकार की शराब पॉलिसी को लेकर महिलाएं खासी नाराज हैं। सरकार की नई शराब नीति में 'एक पर एक फ्री बोतल' पॉलिसी ने कईयों के घर बर्बाद कर दिए। जो नहीं पीता था, वो भी फ्री के चक्कर में पीने लगा। मौजूदा सरकार अगर सत्ता से बेदखल होती है, तो शराब ऑफर उसका मुख्य कारण होगा। वैसे, कम होती वोटिंग विधा की तल्ख सच्चाई से चुनाव और सियासी दल अच्छे से वाकिफ हैं। लेकिन उस हकीकत को दोनों कभी उजागर नहीं करना चाहेंगे। हकीकत ये है, चुनावों में अगर ग्रामीण, मध्यमवर्ग और महिलाएं हिस्सा न लें? तो वोटिंग प्रतिशत और धरातल में घुस जाए। वोटिंग से शिक्षित वर्ग, वर्किंग लोग लगातार दूरियां बनाने लगे हैं। मतदान के दिन वह छुट्टियां मनाते हैं, बा-मुश्किल ही घरों से उस दिन बाहर निकलते हैं। दिल्ली में इस बार जितने नए वोटर जुड़ें हैं उनमें पुरूषों के मुकाबले महिलाएं मतदाता काफी पीछे हैं। ये स्थिति तब है, जब दिल्ली की सत्ता पर काबिज होने की कोशिश कर रहे तीनों प्रमुख दलों के घोषणाओं में महिलाओं से जुड़ी योजनाओं की मूसलाधार भरमारें हैं। आप, भाजपा व कांग्रेस तीनों दल आधी आबादी को अपने पाले में करने की भरसक कोशिशें में हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा जारी अंतिम मतदाता सूची पर अगर गौर करें, तो पुरुष मतदाताओं से महिलाओं की संख्या काफी कम है। इस बार दिल्ली में कुल 1,55,24,858 मतदाता अपने मतों का 5 फरवरी को इस्तेमाल करेंगे जिनमें पुरुषों की संख्या 85,49,645 और महिलाओं की संख्या 71,73,952 है। बीच में अंतर अच्छा खासा है। हालांकि, दिल्ली चुनाव आयोग ने मदतान बढ़ाने को लेकर एक नायाब तरीका अपनाया है। उन्होंने दिल्ली के तकरीबन स्कूलों को आदेशित किया है कि वह छात्रों के जरिए उनके माता-पिता व अन्य परिवारजनों से वोटिंग करने को लेकर लिखित में संकल्पित करवाएं।

दलित-ओबीसी मतदाता बनाएंगे दिल्ली में सरकार

मगर दिल्ली विधानसभा चुनाव में इस बार बड़ी कड़ी टक्क र देखने को मिल रही है। एक तरफ जहां सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) चौथी बार सरकार बनाने के प्रयास में लगी हुई है। वहीं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) भी चाहती है कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में उनकी पार्टी की सरकार बने ताकि केंद्र व राज्य का झगड़ा समाप्त हो। कहने को तो दिल्ली केंद्र शासित प्रदेश है। यहां की सरकार व मुख्यमंत्री के पास अन्य प्रदेशों की तरह पूरे अधिकार नहीं होते हैं। मगर दिल्ली का मुख्यमंत्री होना अपने आप में बड़ी बात है। दिल्ली से ही देश की सरकार चलती है। ऐसे में दिल्ली में जो सरकार बनती है उसके महत्व को नकारा नहीं जा सकता है। दिल्ली में 12 विधानसभा सीट अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है। यहां करीबन 18 प्रतिशत दलित मतदाता है। दिल्ली की आरक्षित 12 सीटों के अलावा 18 और ऐसी विधानसभा सीटे हैं जहां दलित मतदाताओं की संख्या 15 प्रतिशत से अधिक है। ऐसे में दिल्ली की 30 विधानसभा सीटों पर दलित मतदाताओं की भूमिका महत्वपूर्ण रहने वाली है। दिल्ली में बवाना, सुल्तानपुर माजरा, मंगोलपुरी, करोल बाग, पटेल नगर, मादीपुर, देवली, अंबेडकर नगर, त्रिलोकपुरी, कोंडली, सीमापुरी, गोकलपुर विधानसभा सीट को अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित किया गया है। इसके अलावा करीबन 15 से 20 अन्य ऐसी सीटें है जहां दलित मतदाता निर्णायक भूमिका में रहते हैं।

दिल्ली में विधानसभा चुनाव के लिए वोट डालने में अब कुछ दिनों का समय ही शेष रह गया है। वहां चुनाव प्रचार पूरे शबाब पर है। सभी दलों के बड़े नेता अपनी-अपनी पार्टी प्रत्याशियों को जीताने के लिए जमकर चुनाव प्रचार कर रहे हैं। पूरी दिल्ली में चुनावी चौसर बिछी हुई है। सट्टा बाजार में राजनीतिक दलों की हार-जीत के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं। दिल्ली में किसकी सरकार बनेगी इसका पता तो 8 फरवरी को मतगणना के बाद ही चल पाएगा।

मगर दिल्ली विधानसभा चुनाव में इस बार बड़ी कड़ी टक्कर देखने को मिल रही है। एक तरफ जहां सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) चौथी बार सरकार बनाने के प्रयास में लगी हुई है। वहीं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) भी चाहती है कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में उनकी पार्टी की सरकार बने ताकि केंद्र व राज्य का झगड़ा समाप्त हो। कहने को तो दिल्ली केंद्र शासित प्रदेश है। यहां की सरकार व मुख्यमंत्री के पास अन्य प्रदेशों की तरह पूरे अधिकार नहीं होते हैं। मगर दिल्ली का मुख्यमंत्री होना अपने आप में बड़ी बात है। दिल्ली से ही देश की सरकार चलती है। ऐसे में दिल्ली में जो सरकार बनती है उसके महत्व को नकारा नहीं जा सकता है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में इस बार दलित, जाट व गुर्जर मतदाताओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होने जा रही है। दिल्ली में 12 विधानसभा सीट अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है। यहां करीबन 18 प्रतिशत दलित मतदाता है। दिल्ली की आरक्षित 12 सीटों के अलावा 18 और ऐसी विधानसभा सीटे हैं जहां दलित मतदाताओं की संख्या 15 प्रतिशत से अधिक है। ऐसे में दिल्ली की 30 विधानसभा सीटों पर दलित मतदाताओं की भूमिका महत्वपूर्ण रहने वाली है।

दिल्ली में बवाना, सुल्तानपुर माजरा, मंगोलपुरी, करोल बाग, पटेल नगर, मादीपुर, देवली, अंबेडकर नगर, त्रिलोकपुरी, कोंडली, सीमापुरी, गोकलपुर विधानसभा सीट को अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित किया गया है। इसके अलावा करीबन 15 से 20 अन्य ऐसी सीटें है जहां दलित मतदाता निर्णायक भूमिका में रहते हैं। इसलिए दिल्ली विधानसभा की 70 में से करीबन 30 सीटों पर दलित मतदाताओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। 2020 के विधानसभा चुनाव में सभी 12 आरक्षित सीटों पर आम आदमी पार्टी के प्रत्याशियों ने चुनाव जीता था। इसलिए आम आदमी पार्टी का पूरा फोकस दलित मतदाताओं पर है। दिल्ली के अनुसूचित जाति के मतदाताओं में से 38 फीसदी जाटव और 21 फीसदी वाल्मीकि है।

पिछले लोकसभा चुनाव में अनुसूचित जाति के मतदाताओं के लिए देश भर में आरक्षित 84 लोकसभा सीटों में से भाजपा मात्र 30 सीट पर ही चुनाव जीत पाई थी। इंडिया गठबंधन के भाजपा द्वारा संविधान बदलने के नारे के कारण दलित मतदाता भाजपा से छिटककर विपक्षी खेमे में चले गए थे। इसी तरह दिल्ली में भी पिछले दो विधानसभा चुनाव में अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित सभी 12 सीटों पर आम आदमी पार्टी लगातार जीतती आ रही है। इसलिए अनुसूचित जाति के मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिए भाजपा व कांग्रेस इस बार के चुनाव में पूरा जोर लगा रही है।

भाजपा ने 12 आरक्षित सीटों के अलावा दो सामान्य सीटों मटिया महल से दीप्ति इंदौरा व बल्लीमारन से कमल बागड़ी को उम्मीदवार बनाया है। इस तरह भाजपा ने कुल 14 सीटो पर दलित उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है। वहीं कांग्रेस ने भी नरेला से अनुसूचित जाति की अरुणा कुमारी को टिकट देखकर कल 13 सीटों पर दलित प्रत्याशियों को मैदान में उतारा है। भाजपा व कांग्रेस की रणनीति है कि दलित मतदाताओं को आम आदमी पार्टी से दूर किया जाए। आम आदमी पार्टी ने 12 आरक्षित सीटों पर ही अनुसूचित जाति के प्रत्याशियों को टिकट दी है। हरियाणा व महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में एक बार फिर दलित मतदाताओं का रुझान भाजपा की तरफ होने के चलते वहां भाजपा ने बड़ी जीत हासिल की थी। इसी से उत्साहित होकर भाजपा अनुसूचित जाति के मतदाताओं की बहुलता वाली सीटों पर विशेष चुनावी प्रबंधन कर चुनावी रणनीति बना रही है।

दिल्ली में जाट मतदाताओं की बहुलता वाली 10 सीटों महरौली, मुंडका, रिठाला, नांगलोई, मटियाला, पालम, नरेला, विकासपुरी, नजफगढ़ व बिजवासन पर आम आदमी पार्टी का कब्जा है। इस बार भाजपा आम आदमी पार्टी से इन सभी 10 सीटों को छीन कर अपनी वापसी का प्रयास कर रही है। भाजपा ने इस बार करीबन 14 टिकट जाट नेताओं को दी है। जिनमें पूर्व सांसद प्रवेश वर्मा नई दिल्ली से पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सामने चुनाव लड़ रहे हैं। वही आप सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे कैलाश गहलोत भी बीजेपी टिकट पर बिजवासन से चुनाव लड़ रहे हैं। कैलाश गहलोत के भाजपा में जाने से आप के पास कोई बड़ा जाट नेता नहीं रह गया है जो जाट मतदाताओं को आप पार्टी से जोड़े रख सके। जबकि भाजपा ने पूर्व सांसद प्रवेश वर्मा को अरविंद केजरीवाल के सामने खड़ा कर दिल्ली के चुनाव को रोचक बना दिया है।

दिल्ली में गुर्जर मतदाताओं की भी बड़ी संख्या है। इनके प्रभाव वाली छतरपुर, मुस्तफाबाद, तुगलकाबाद, घोंडा, गोकुलपुरी, ओखला पर आम आदमी पार्टी का कब्जा है। वहीं बदरपुर, करावल नगर व पालम पर भाजपा का कब्जा है। दिल्ली के पूर्व सांसद व बड़े गुर्जर नेता रमेश बिधूड़ी को भाजपा ने मुख्यमंत्री आतिशी मार्लेना के खिलाफ चुनाव मैदान में उतार कर चुनाव को रोचक बना दिया है। दिल्ली में मदनलाल खुराना व साहिब सिंह वर्मा के बाद हमेशा बाहरी व्यक्ति ही मुख्यमंत्री बनता रहा है। सुषमा स्वराज, शीला दीक्षित, अरविंद केजरीवाल, अतिशी मार्लेना जैसे लोग दिल्ली के मूल निवासी नहीं है।

कलेक्टर यादव के निर्देश पर इटौली राशन दुकान के विक्रेता के विरूद्ध पुलिस थाना ढीमरखेड़ा में दर्ज हुई प्राथमिकी

10.72 लाख रुपये से अधिक मूल्य के खाद्यान्न का खुर्द-बुर्द होना पाया गया

कटनी। विकासखण्ड ढीमरखेड़ा के शासकीय उचित मूल्य दुकान इटौली दुकान कोड नंबर 4206052 के दुकान विक्रेता कीर्तेश सिंह ठाकुर द्वारा गेंहू, चावल एवं शक्कर के खाद्यान्न के खुर्द-बुर्द और हेरा-फेरी करने से 10 लाख 72 हजार 191 रुपए का अपयोजन पाये जाने के मामले में बुधवार 29 जनवरी को कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी बृजेश कुमार जाटव द्वारा भारतीय न्याय संहिता और आवश्यक वस्तु अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत ढीमरखेड़ा पुलिस थाना में एफआईआर दर्ज कराई गई। सार्वजनिक वितरण प्रणाली की उचित मूल्य दुकानों से पात्र हितग्राहियों को खाद्यान्न वितरण व्यवस्था में हेराफेरी करने के मामले में ढीमरखेड़ा क्षेत्र की यह ग्यारहवी एफआईआर है। कलेक्टर दिलीप कुमार यादव के निर्देश के बाद एफआईआर दर्ज कराई गई है।

यह है प्रकरण

कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी बृजेश कुमार जाटव द्वारा शासकीय उचित मूल्य दुकान इटौली की जांच पर पीओएस मशीन की ऑनलाइन पोर्टल में गेहूं 259.16 क्विंटल, चावल 147.08 क्विंटल, नमक 2.28 क्विंटल एवं शक्कर 0.22 क्विंटल प्रदर्शित होना पाया गया। जबकि भौतिक सत्यापन के दौरान गेहूं 11 क्विंटल, चावल 14.50 क्विंटल एवं नमक 11 क्विंटल एवं शक्कर 0.19 क्विंटल पाया गया है। इस तरह सत्यापन के बाद गेहूं की मात्रा करीब 248.16 क्विंटल, चावल 132.58 क्विंटल, शक्कर 0.03 क्विंटल, कम होना पाया गया। जबकि नमक 8.72 क्विंटल अधिक मात्रा में पाया गया । इस प्रकार कुल 10 लाख 72 हजार 199 रुपए के की खाद्य सामग्री अपयोजित होना पायी गयी। शासकीय उचित मूल्य दुकान इटौली के विक्रेता कीर्तेश सिंह ठाकुर निवासी ग्राम बस्ती बरेहटा ढीमरखेड़ा द्वारा खाद्यान्न सामग्री में जानबूझकर अनियमितता करना पाया गया। जो कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली नियंत्रण नियमों और प्रावधानों का उल्लंघन है। उक्त अनियमितता पर कीर्तेश सिंह ठाकुर के विरूद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 316 एवं 318 और आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारी 3 और 7 के तहत ढीमरखेड़ा पुलिस थाना में प्राथमिकी क्रमांक 0048 दर्ज कराई गई है।

उर्वरक गुण नियंत्रण प्रयोगशाला अधारताल प्रभारी पर लगे भ्रष्टाचार के आरोप

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

विगत दिनों आधार खाद डीएपी की कमी के कारण बाजार में विकल्प के तौर पर मल्टी नेशनल कंपनियों के नाम से नकली खाद किसानों को खपाने की कोशिश की गई। जिसके अनेक प्रकरण पूरे मध्यप्रदेश में सामने आए थे। जिसको लेकर भारतीय किसान संघ ने खाद की गुणवत्ता व कालाबाजारी होने को लेकर आंदोलन भी किया था। जिसके बाद प्रदेश शासन ने प्रदेश में स्थापित उर्वरक गुण नियंत्रण प्रयोगशाला में विभिन्न खाद विक्रय करने वाले डीलर व दुकानदारों के सेंपल जांच के निर्देश दिए थे। भारतीय किसान संघ ने आरोप लगाया है कि शासन के कड़े निदेर्शों के बावजूद भी किसानों को गुणवत्ता युक्त खाद नहीं मिल सकी। जिसके लिए जबलपुर स्थित उर्वरक गुण नियंत्रण प्रयोगशाला में व्याप्त भ्रष्टाचार जिम्मेदार है।

खाद सेंपल लिए लेकिन रिपोर्ट का पता नहीं : सैकड़ों खाद के सेंपल खाद विक्रय करने वाले दुकानदारों से विभागीय अधिकारियों द्वारा लिए गए। उन्हें जबलपुर स्थित उर्वरक गुण नियंत्रण प्रयोगशाला भेजा गया लेकिन उनकी जांच रिपोर्टों का कोई अता पता नहीं हैं। जबकि किसानों का कहना है कि गुणवत्ता पूर्ण खाद के अभाव में उत्पादन कम रहने की संभावना है। जिसका नुकसान अन्नदाता किसान उठाने मजबूर है।

शिकायत पर जांच शुरू : उर्वरक गुण नियंत्रण प्रयोगशाला अधारताल में व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर एक शिकायत भारतीय किसान संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख राघवेन्द्र सिंह पटेल ने केंद्र व राज्य सरकार को अक्टूबर माह में भेजी थी। जिसमें प्रयोगशाला प्रभारी पर खाद सेंपल की जांच के बिना रिपोर्ट बनाने का आरोप लगाया गया है। जिसको लेकर केंद्र व राज्य सरकार ने जांच के निर्देश देते हुए भोपाल से जांच अधिकारी के तौर पर प्रयोगशाला विशेषज्ञ डॉ अजय कौशल को जांच सौंपी है।

जांच होने के पूर्व ही एनएबीएल का प्रमाणीकरण क्यों कराया : आरोप है कि अक्टूबर माह में शिकायत होने के बाद जांच में देरी क्यों हुई। शिकायत में कहा गया था कि प्रयोगशाला के बहुत से उपकरण कार्य नहीं कर रहे हैं तो एन ए बी एल प्रमाणीकरण के नाम पर जांच के पूर्व उन्हे क्यों सुधारा गया व अन्य सामान क्यों खरीदे गए। क्या प्रयोगशाला में जारी होने वाली खाद की गुणवत्ता की फर्जी कागजी रिपोर्ट जारी करने वाले अधिकारी को बचाने की कोशिश हो रही है। यह आरोप भारतीय किसान संघ ने लगाया है और जांच की मांग की है।

मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत जिले में आयोजित हुए शत प्रतिशत 497 शिविर

प्राप्त 63 हजार 175 आवेदनों में 99.9 फीसदी से अधिक आवेदनों का किया गया निराकरण

407 ग्राम पंचायत एवं 90 वार्डो में आयोजित हुए शिविर

कटनी। मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान का आयोजन 11 दिसंबर 2024 से 26 जनवरी 2025 तक जिले की सभी 407 ग्राम पंचायतों और 90 नगरीय निकायों के वार्डों में किया किया गया। कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव के कुशल निर्देशन में अभियान के अंतर्गत जिले के ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में कुल शत - प्रतिशत 497 शिविर आयोजित किये जाकर नागरिकों को केंद्र एवं राज्य सरकार के माध्यम से संचालित होने वाली हितग्राही मूलक योजनाओं की जानकारी प्रदान की जाकर पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने की कार्यवाही की गई। जिले में 26 जनवरी 2025 तक आयोजित 497 शिविरों में प्राप्त कुल 63 हजार 175 आवेदन प्राप्त किये गए। जिनमें 99.5 फीसदी 62 हजार 582 आवेदन शिविर में तथा 0.5 फीसदी 323 आवेदन ऑनलाइन शामिल है। उपरोक्त प्राप्त आवेदनों में 99.9 फीसदी आवेदन 63 हजार 136 आवेदनों का निराकरण भी किया जा चुका है। शेष 0.1 फीसदी कुल 39 आवेदनों में कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव द्वारा मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान की सतत समीक्षा के फलस्वरूप अंतिम छोर के पात्र हितग्राहियों को शासकीय योजनाओं से लाभान्वित करने की कार्यवाही की गई।

विभागवार प्राप्त एवं निराकृत आवेदन

मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत 26 जनवरी तक आयोजित शिविरों में उच्च शिक्षा विभाग के प्राप्त 96 आवेदनों का शत प्रतिशत निराकरण किया गया है। वहीं उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के 63 आवेदन, ऊर्जा विभाग के 1453 आवेदनों में 1 लंबित, किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग के 1099, जनजातीय कार्य विभाग के 3, तकनीकी शिक्षा कौशल विकास एवं रोजगार विभाग के 10 में एक लंबित नगरीय विकास एवं आवास विभाग के 465, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के 611, परिवहन विभाग के 4181 में 2 लंबित, पशुपालन एवं डेयरी विभाग के 798 आवेदन प्राप्त हुए है। जबकि मत्स्य पालन एवं मछुआ विकास विभाग के 12, महिला एवं बाल विकास विभाग के 478, योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के 1766, राजस्व विभाग के 10163 में एक लंबित, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के 24491 में 19 लंबित, वित्त विभाग के 14, श्रम विभाग संबल योजना, कर्मकार मण्डल के 9169 में 10 लंबित, सहकारिता विभाग के 70, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग 4681, सामान्य प्रशासन विभाग के 3511 आवेदन में से 2 लंबित आवेदन सहित सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग के 41 में लंबित 3 सहित शिविर के दौरान कुल 63 हजार 175 आवेदन प्राप्त हुए है।

मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति विशेष परियोजना वित्त पोषण योजनान्तर्गत आवेदन आमंत्रित

कटनी। मध्यप्रदेश राज्य सहकारी अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम भोपाल द्वारा संचालित मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति विशेष परियोजना वित्त पोषण योजनान्तर्गत आवेदन आमंत्रित किये जाना है। इस योजनान्तर्गत बेरोजगार युवक-युवतियों उद्योग सेवा, विनिर्माण, कृषि, आधारित परियोजनायें एग्रो प्रोसेसिंग, कोल्ड स्टोरेज, मिल्क प्रोसेसिंग, केटल फीड़, पोल्ट्री फीड, फिश फीड, कस्टम हाईरिंग सेंटर, टिश्यू कल्चर, मसाला उद्योग, ग्रामोद्योग हस्तशिल्पकलां से जुड़ी परियोजनाओं के लिए आवेदन कर सकते है। जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति के से प्राप्त जानकारी अनुसार मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति विशेष परियोजना वित्त पोषण योजनान्तर्गत मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति विशेष परियोजना वित्त पोषण योजना का लाभ लेने हेतु आवेदक अनुसूचित जाति वर्ग का होना चाहिए तथा जिले का निवासी होना चाहिए। आवेदक की उम्र 18 से 45 वर्ष के मध्य होनी चाहिये तथा आवेदक पूर्व में किसी बैंक या शासकीय संस्था से डिफाल्टर ना हो। आवेदक केवल एक बार योजना का लाभ ले सकता है तथा आवेदक द्वारा योजना से संबंधित परियोजना प्रतिवेदन रिपोर्ट सीए का लगाना अनिवार्य है।

थैलेसीमिया बच्चों के लिए अलग वार्ड की व्यवस्था की जाए

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

रक्तदान के क्षेत्र में काम करने वाले विभिन्न संगठनों ने विगत दिवस मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के नाम ज्ञापन सौंपा। जिसमें उन्होंने थैलेसीमिया एवं सिकलसेल बच्चों के उपचार के दौरान हो रही परेशानियों को शीघ्र ही दूर करने की मांग की गई। मांग पत्र में बताया गया कि जिला चिकित्सालय में इलाज के लिए आने वाले थैलेसीमिया एवं सिकलसेल के बच्चों को उपचार के लिए परेशान होना पड़ रहा है। जिसको लेकर उन्होंने बताया कि जिला अस्पताल के ब्लड बैंक से थैलेसीमिया एवं सिकलसेल से पीड़ित बच्चों को एक यूनिट रक्त ही मिलता है, जबकि ज्यादातर बच्चों को 2 यूनिट ब्लड लगता है, कभी कभी इससे ज्यादा भी लगता है, अतः ब्लड बैंक में ब्लड उपलब्ध होने पर उन्हें आवश्यकता अनुसार ब्लड दिया जाए, क्योंकि ज्यादातर रक्तदान शिविर थैलेसीमिया बच्चों के लिए ही लगाए जाते हैं, थैलेसीमिया बच्चों के लिए अलग वार्ड की व्यवस्था की जाए।

13 फरवरी तक चलेगा स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

जिला कुष्ठ उन्मूलन समिति जबलपुर के तत्वाधान में गुरुवार को जिला चिकित्सालय विक्टोरिया के सभाकक्ष में कुष्ठ निवारण दिवस मनाया गया। 13 फरवरी तक स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान चलाया जायेगा। गांधीजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दीप, प्रज्वलित किया गया । कार्यक्रम में डॉ. संजय मिश्रा (जेडी/सी.एम.एच.ओ) अध्यक्ष , मुख्य अतिथि डॉ. पवन स्थापक, विशिष्ट अतिथि डॉ. राजीव सक्सेना एवं डॉ. नवीन कोठारी (सीएस/डीएलओ) ने ह्याह्य कुष्ठ मुक्त भारत ह्लह्ल की परिकल्पना में अपने विचार रखे। संकल्प पत्र एवं अपील का वाचन अतिथियों द्वारा किया गया । कुष्ठ मरीजों को श्रीफल एवं शॉल द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में डॉ. अभिजीत विश्नोई, डॉ. निहित अग्रवाल, डॉ. हितेश लोकवानी, रोटरी क्लब एवं सक्षम सविता प्रकोष्ठ से एसपी सिंह, मनोज शिवहरे, दीपक जैन, वेदप्रकाश चतुर्वेदी, विवेक सोढी, चंदन यादव, अरविन्द गुप्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में विभाग के श्री अजय कुरील (मीडिया अधिकारी), श्रीमती ऊषा चौधरी, आरएस पटेल, विनीत कोठारे, श्रीमती रीता बाजपेयी, श्री नारायण चौधरी का सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन रामकुमार चौबे (सुपरवाइजर) द्वारा किया गया।

कांग्रेस महात्मा गांधी को अर्पित किए श्रद्धा सुमन

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी रांझी खमरिया के अध्यक्ष रविंद कुशवाहा ने बताया कि गांधी चौक मानेगांव स्थित गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर संगोष्ठी का कार्यक्रम आयोजित किया गया। वक्ताओं ने अपने उद्बोधन में कहां की आज हम महात्मा गांधी की पुण्यतिथि मना रहे हैं, जिन्हें हम प्यार से बापू कहते हैं। गांधीजी ने सत्य और अहिंसा के रास्ते पर चलकर देश को आजादी दिलाई। उनका जीवन सादगी, त्याग और निष्ठा का प्रतीक था। उन्होंने स्वदेशी, स्वराज और छुआछूत जैसी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ आवाज उठाई उन्होंने छुआछूत, जातिवाद और महिलाओं के प्रति भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाई। बापू कहते थे कि किसी भी समाज का विकास तभी संभव है, जब उसमें हर किसी को समान अधिकार मिले उनके विचारों को याद करते हुए उनके बताए हुए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया इस दौरान ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रविंद्र कुशवाहा ,संगठन मंत्री आशुतोष वत्स आशु, नेम सिंह आलोक भट्ट, नर्बद गोटिया, राजू कनौजिया , संजू ठाकुर,संत कुमार कुशवाहा, गोविंद दास अहिरवार, जमुना प्रसाद, कमलेश चौधरी, राहुल चौधरी, रतन यादव,देवेंद्र कुशवाहा, राजू स्वामी, मोनिका सिंह, अनुपम विश्वकर्मा ,नीतू कुशवाहा,रोहित गुप्ता,दीपक कुशवाहा, रोहित कुशवाहा ,एम.एल.यादव,अनुराग कुशवाहा,लक्ष्य चौहान,कौशिक उपाध्याय,नवीन कुशवाहा,प्रदीप कुशवाहा,लकी चौहान, उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना अन्तर्गत शिर्डी तीर्थ यात्रा 1 फरवरी को

तीर्थ यात्रियों को सूचित करने के निर्देश

कटनी। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना अंतर्गत दिनांक 1 फरवरी को शिर्डी तीर्थ हेतु जिले से स्पेशल ट्रेन रवाना होगी। डिप्टी कलेक्टर विवेक गुप्ता द्वारा पत्र के माध्यम से आयुक्त नगर पालिक निगम, सहित समस्त जनपद पंचायतों एवं नगर परिषद के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को शिर्डी यात्रा हेतु जिले की निकायवार सूची प्रेषित कर सूची को कार्यालय के सूचना पटल पर चम्पा करनें तथा अन्य माध्यमों से यात्रियों को सूचित करने का लेख किया है। डिप्टी कलेक्टर श्री गुप्ता द्वारा जारी पत्र में यात्रा तिथि 1 फरवरी 2025 को निर्धारित स्थान पर यात्रियों के सकुशल पहुंचने की समुचित व्यवस्था करने हेतु पृथक से अधिकारी एवं कर्मचारियों की ड्यूटी लगानें के निर्देश दिए है।

इसके अतिरिक्त संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी को सभी चयनित यात्रियों को निर्धारित रेल्वे स्टेशन पर यात्रा समय के तीन घण्टे पूर्व सुरक्षित साधन से पहुंचानें के निर्देश दिए है। यात्रा के दौरान सभी चयनित यात्रियों को अपने साथ आधार कार्ड, समग्र आईडी, पासपोर्ट साईज फोटो के साथ रखना रखना अनिवार्य होगा। जारी पत्र में अधिकारियों को यात्रा ट्रेन में उनके निकाय के सभी यात्री ट्रेन में सुरक्षित आवंटित बर्थ में बैठालनें के साथ ही यात्रियों के साथ छोटे बच्चे की जांच करनें के अतिरिक्त मूल चयनित सूची से किसी तीर्थ यात्री की यात्रा में नहीं जानें की दिशा में प्रतिक्षा सूची में चयनित यात्रियों को यात्रा में भेजनें हेतु पृथक से सूचित करनें की कार्यवाही करनें का लेख किया गया है। आईआरसीटीसी द्वारा 1 फरवरी से 4 फरवरी तक शिर्डी तीर्थ यात्रा स्पेशल ट्रेन की समय (रेलवे स्टेशन एवं ट्रेन के समय की जानकारी) पृथक से दी जावेगी।

कौम के साथ ही देश की भलाई के लिए काम करे अंसारी समाज : मुफ़्ती ए आजम

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

अंसारी समाज के नव निर्वाचित पदाधिकारी को सलाह है कि वह ना सिर्फ बिरादरी या कौम बल्कि देश की भलाई के लिए भी काम कर मिसाल बने। उक्ताशय के उदगार मुफ्ती ए आजम मध्यप्रदेश हजरत मौलाना डा मुहम्मद मुशाहिद रजा कादरी ने व्यक्त किए।

मौका था अंसारी समाज के सरदार सूफी हाजी अब्दुल हकीम बाबा की सरपरस्ती में आयोजित किए गए इस्तकबालिया जलसे का। जलसे को जबलपुर विकास प्राधिकरण के पूर्व उपाध्यक्ष, हाजी मुहम्मद कदीर सोनी, भूरे पहलवान, सरदार हामिद हसन, समाजसेवी हाजी मकबूल अहमद रजवी, सरदार अयाज राईन, सरदार आमीन कुरैशी, सरदार हसन शाह, सरदार मेहमूद अहमद, सरदार हाजी मुईन खान, सरदार जमील अहमद अंसारी सहित कई वक्ताओं ने खिताब किया. इस दौरान मुफ्ती ए आजम के साथ ही कचेहरी दरगाह के खादिम चंगेज खान अशरफी ने सरदार अब्दुल हकीम बाबा की दस्तारबंदी व गुलपोशी की. जलसे में अंसारी समाज के 34 सरदारों के साथ ही पार्षद सर्वश्री अख्तर अंसारी, याकूब अहमद अंसारी, शफीक हीरा, गुलाम हुसैन, बाबू वाहिद, इश्तियाक अंसारी, अन्नू अनवर, शमीम अंसारी गुडडू, ताहिर खान, गोपाल घनघौरिया, पत्रकार तालिब हुसैन, मुहम्मद मुजम्मिल हुसैन, मुहम्मद अनस आलम आदि की मौजूदगी उल्लेखनीय रही. जलसे का संचालन शकील अंसारी और आभार प्रदर्शन समीर मोबाइल ने किया।

शहीद स्मृति दिवस पर महाविद्यालय में रखा गया मौन

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

नवयुग कला व वाणिज्य महाविद्यालय, जबलपुर में गुरुवार को शहीद दिवस के अवसर पर दो मिनिट का मौन रख कर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी एवं अमर शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में समस्त महाविद्यालय द्वारा प्राचार्य डॉ. संजय तिवारी की उपस्थिति में सुबह 11:00 बजे 2 मिनट का मौन धारण कर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई । साथ ही महात्मा गांधी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में समस्त शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक स्टाफ, एन. एस. एस. कैडेट्स एवं छात्र,छात्राओं की सहभागिता रही।

महाकौशल कॉलेज में भारतीय ज्ञान परंपरा और महाकुंभ समागम विषय पर संगोष्ठी संपन्न

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय महाकौशल महाविद्यालय में आज गुरुवार को ह्लभारतीय ज्ञान परंपरा और महाकुंभ समागमह्व विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई। संगोष्ठी का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन एवं माल्यार्पण से किया गया। संगोष्ठी के मुख्य अतिथि डॉ. ध्रुव कुमार दीक्षित ने भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा की जानकारी दी और सभी से इस परंपरा का अनुसरण करने की बात कही। उन्होंने महर्षि वेदव्यास एवं चाणक्य जैसे अन्य महापुरुषों के बारे में विस्तृत जानकारी दी और कुंभ के महत्व को स्पष्ट किया। संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित रहे डॉ. सुरेश चंद्र राय ने महाकुंभ के सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक आयाम तथा देवियों पर अपने विचार व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि कुंभ एक वैश्विक परिघटना है। यह भारत में आयोजित होने वाला दुनिया का सबसे बड़ा मेला है। महाकुंभ लोक आस्था का सबसे बड़ा जीवंत उदाहरण है। संगोष्ठी में डॉ. आनंद राणा ने महात्मा गांधी के जबलपुर प्रवास एवं उनके जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला और महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अलकेश चतुर्वेदी ने कुंभ की वैज्ञानिकता एवं भारतीय संस्कृति को चरितार्थ किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक, अतिथि विद्वान एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

माघ गुप्त नवरात्रि को करें मां भगवती की पूजा

हिंदू पंचांग के अनुसार, 30 जनवरी 2025 से माघ गुप्त नवरात्रि शुरू हो रहे हैं। जिसका समापन 7 फरवरी 2025 को होगा। सालभर में कुल चार नवरात्रि आती है। जिसमें 2 गुप्त नवरात्रि और 2 प्रत्यक्ष नवरात्रि शामिल है। प्रत्यक्ष नवरात्रि में देवी भगवती के 9 स्वरूपों की पूजा-अर्चना की जाती है। वहीं, गुप्त नवरात्रि में दस महाविद्याओं की जाती है। मां काली, तारा देवी, त्रिपुर सुंदरी,भुवनेश्वरी, माता छिन्नमस्ता, त्रिपुर भैरवी, मां धूमावती, माता बगलामुखी, मातंगी और कमला देवी 10 महा देवियां हैं। जिनकी गुप्त नवरात्रि में पूजा की जाती है। नवरात्रि में प्रतिपदा तिथि से व्रत आरंभ करने के साथ शुभ मुहूर्त में कलश स्थापना का भी विधान है। आइए जानते हैं माघ गुप्त नवरात्रि की सही तिथि, कलश स्थापना मुहूर्त और कलश स्थापित करने के विधि...

कब से शुरू है गुप्त नवरात्रि?

दिक पंचांग के अनुसार, माघ महीने के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि का आरंभ 29 जनवरी 2025 को शाम 06 : 05 मिनट पर होगा और 30 जनवरी 2025 को शाम 04 : 20 बजे समाप्त होगा। ऐसे में उदयातिथि के अनुसार, 30 जनवरी 2025 से माघ गुप्त नवरात्रि की शुरुआत हो रही है। जिसका समापन 7 फरवरी 2025 को होगा।

पूजा सामग्री लिस्ट

माघ गुप्त नवरात्रि में पूजा के लिए मां दुर्गा की फोटो, लाल चुनरी, श्रृंगार सामग्री, चावल, दुर्गा सप्तशती की किताब, गंगाजल, आम की पत्तियां,चंदन, नारियल, कपूर, जौ के बीज, मिट्टी के बर्तन, गुलाल, सुपारी, पान का पत्ता, लौंग, इलायची, फल, फूल, कलश, जौ, लाल रंग का वस्त्र, कपूर, धूपबत्ती,दीपक, घी समेत पूजा की सभी सामग्री एकत्रित कर लें।

शुभ मुहूर्त व पूजा विधि

30 जनवरी को घटस्थापना के दौरान आप विधि-विधान से घटस्थापना कर सकते है। इस दिन 9 :25 ए एम से 10 :46 ए एम तक पहला मुहुर्त है। सबसे पहले स्नान आदि करके स्वच्छ वस्त्र धारण करें। मां दुर्गा की प्रतिमा को स्थापित करके उन्हें चुनरी अर्पित करें। अब मां दुर्गा को पूजन सामग्री अर्पित करें। आरती उतारें और दुर्गा सप्तशती का पाठ करें। गुप्त नवरात्रि व्रत करें और आखिरी दिन कन्या पूजन करें।

वास्तु शास्त्र के अनुसार बनाएं घर के अंदर सीढ़ियां

घर के निर्माण में हर छोटी से छोटी बात का ख्याल रखना बेहद जरूरी है। सीढ़ियां भी घर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और इनके निर्माण में वास्तु नियमों का पालन करना और भी अधिक आवश्यक हो जाता है। सीढ़ियों के निर्माण में वास्तु के सिद्धांतों का पालन करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बना रहता है और नकारात्मक ऊर्जा से मुक्ति मिलती है। अगर सीढ़ियां वास्तु के नियमों के अनुसार नहीं बनाई गई हैं, तो इससे घर में कई तरह के वास्तु दोष उत्पन्न हो सकते हैं। ये दोष घर के रहने वालों के स्वास्थ्य, धन, और रिश्तों पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं। आइए ज्योतिषाचार्य से विस्तार से जानते हैं कि क्या घर के अंदर सीढ़ियां बनाना शुभ है या अशुभ?

वास्तु के अनुसार घर के अंदर सीढ़ियां बनाना शुभ नहीं माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि अगर घर के अंदर सीढ़ियां बनाने से व्यक्ति को अशुभता झेलनी पड़ती है और घर परिवार में सुख-समृद्धि की भी कमी आने लग जाती है। साथ ही इसका असर घर के वास्तु पर भी पड़ता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में सीढ़ियां बनाने के कुछ नियम होते हैं, जिनका पालन करना महत्वपूर्ण होता है। सीढ़ियां का स्थान और दिशा घर के वास्तु और ऊर्जा के संतुलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अगर सीढ़ियों को सही तरीके से न डिजाइन किया जाए तो यह नकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं।

सीढ़ियां बनाने के लिए वास्तु के नियम

उत्तर और पूर्व दिशा में सीढ़ियों का निर्माण सबसे शुभ माना जाता है। ये दिशाएं सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करती हैं और घर में सुख-समृद्धि लाती हैं।

दक्षिण और पश्चिम दिशा में सीढ़ियों का निर्माण न करना बेहतर होता है, क्योंकि इससे नकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश हो सकता है और परिवार में वित्तीय समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। घर के मुख्य द्वार के सामने सीढ़ियां नहीं बनानी चाहिए, क्योंकि यह सकारात्मक ऊर्जा के प्रवाह को रोकता है और घर में समृद्धि में कमी आ सकती है। सीढ़ियों का आकार सही होना चाहिए।

अत्यधिक चौड़ी या संकीर्ण सीढ़ियां न बनाएं। सीढ़ियों के बीच में अगर कोई खाली स्थान छोड़ा जाता है तो यह घर में नकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश करवा सकता है। सीढ़ियों के नीचे कोई सामान नहीं रखना चाहिए। यदि ऐसा किया जाता है, तो यह नकारात्मक ऊर्जा का कारण बन सकता है और घर में समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

कमर दर्द दूर करे ये एक्सरसाइज

कमर का दर्द सुनने में भले ही एक आम समस्या लगे, लेकिन यह आपकी डेली लाइफ को काफी परेशान कर सकती है। इससे व्यक्ति उठने-बैठने या फिर लेटने तक में दर्द का सामना करना पड़ता है। यह हल्का दर्द से लेकर तेज चुभन जैसा हो सकता है। कई बार तो दर्द से निपटने के लिए हम सभी दवाई का सहारा भी लेते हैं, लेकिन क्या आपको पता है कि नियमित रूप से एक्सरसाइज करके इस दर्द को काफी हद तक कम किया जा सकता है, बशर्ते एक्सरसाइज को सही तरह से किया जाए।

अमूमन यह देखने में आता है कि लोग वर्कआउट के दौरान किसी भी एक्सरसाइज को करना शुरू कर देते हैं या फिर एक्सरसाइज को गलत तरीके से करते हैं। जिसकी वजह से कमर पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है और दर्द की शिकायत बढ़ने लगती है। आपको शायद पता ना हो, लेकिन सभी एक्सरसाइज कमर के लिए सही नहीं मानी जाती हैं। इनसे आपका दर्द काफी हद तक बढ़ सकता है। कई बार लोग कमर दर्द की वजह से एक्सरसाइज करना ही छोड़ देते हैं, जबकि यह समस्या का समाधान नहीं है। बस जरूरी है कि आप उन एक्सरसाइज से बचें, जो आपके दर्द को बढ़ा सकती हैं। तो चलिए आज इस लेख में योगविशेषज्ञ से आपको कुछ ऐसी ही एक्सरसाइज के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें आपको कमर दर्द की शिकायत होने पर करने से बचना चाहिए-

खड़े होकर पैर की उंगलियों को छूना :- अमूमन लोग वर्कआउट रूटीन में टो टच एक्सरसाइज को शामिल करते हैं। इसमें आगे की ओर झुकते हुए अपने पैर की उंगलियों को छूने की कोशिश की जाती है। हालांकि, ऐसा करने से आपकी पीठ के निचले हिस्से पर बहुत अधिक दबाव पड़ता है, खासकर अगर आपको पहले से ही दर्द की शिकायत हो। इससे लिगामेंट भी ओवरस्ट्रेच होते हैं और दर्द बढ़ सकता है। इसलिए, इससे बचें।

क्या करें- अगर आपको अपनी हैमस्ट्रिंग को स्ट्रेच करने की ज़रूरत है, तो लेटकर एक बार में एक पैर उठाने के लिए तौलिया या बैंड का इस्तेमाल करें।

क्रंचेस:- क्रंचेस को कोर के लिए काफी अच्छी एक्सरसाइज माना जाता है, लेकिन अगर आपको कमर दर्द की शिकायत है तो आपको इससे बचना चाहिए। दरअसल, वे आपकी रीढ़ की हड्डी पर अतिरिक्त दबाव डाल सकते हैं और पीठ दर्द को बढ़ा सकते हैं। क्रंचेस हिप फ्लेक्सर्स को बहुत ज्यादा एंगेज करते हैं, जिससे पीठ के निचले हिस्से पर बहुत अधिक खिंचाव होता है और आपको दर्द या चोट लग सकती है।

साड़ी स्टाइल के लिए सही डिजाइन और कलर का चयन करें

आप अगर अपनी वॉर्डरोब अपडेट करने के बारे में सोच रही हैं, तो इसके लिए अलग तरह की साड़ी डिजाइंस को आपको अपनी कलेक्शन में ऐड करना चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि इससे आपको अलग डिजाइन ट्राई करने को मिलेगा। इस बार स्प्रिंग के मौसम में लहरिया साड़ी को स्टाइल कर सकती हैं। लहरिया साड़ी में आपको कई सारे अलग-अलग प्रिंट मिल जाएंगे। जिसे स्टाइल करके लुक अच्छा लगेगा।

लहरिया साड़ी करें वियर

आप अपनी वॉर्डरोब में लहरिया साड़ी के अलग-अलग डिजाइन को ट्राई कर सकती हैं। इस तस्वीर में आपको मिरर वर्क की साड़ी देखने को मिल रही है। जिसे आप भी ट्राई कर सकती हैं। इस तरह की साड़ी पहनने के बाद अच्छी लगेगी। साड़ी में ये बॉर्डर आपको साइड डिजाइन में मिलेगा। इसमें आप पोल्का डॉट ब्लाउज मिलेगा। इससे साड़ी लुक अच्छा लगेगा। साथ ही, स्टाइल करने के बाद आपको भी कम्फर्टेबल लगेगा।

बॉर्डर वर्क वाली लहरिया साड़ी

आप पहनने के लिए बॉर्डर वर्क वाली लहरिया साड़ी को स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह की साड़ी पहनने के बाद काफी सुंदर नजर आती है। इसमें पूरी साड़ी पर लहरिया प्रिंट मिलेगा। इसके साथ बॉर्डर वर्क प्लेन होगा। इससे साड़ी पहनने के बाद अच्छी नजर आएगी। इस तरह की साड़ी को आप प्लेन ब्लाउज के साथ वियर करेंगी, तो आप अच्छी लगेंगी।

डबल शेड वाली लहरिया साड़ी

आप अगर खूबसूरत दिखने के लिए डबल शेड वाली लहरिया साड़ी को वियर कर सकती हैं। इस तरह की साड़ी पहनने के बाद बेहद खूबसूरत नजर आएगी। इस साड़ी में आप किसी भी तरह के दो शेड का डिजाइन ले सकती हैं। इसके साथ प्लेन ब्लाउज वियर कर सकती हैं। इससे आपका लुक अच्छा लगेगा। मार्केट मे इस तरह की साड़ी आपको आसानी से मिल जाएगी।

इस बार अपने वार्डरोब में इन लहरिया साड़ी को ऐड करें। इससे आपका लुक अच्छा लगेगा। साथ ही, आप अच्छी लगेगी। उसके साथ ज्वेलरी भी पहनने के बाद अच्छी लगेगी। मार्केट में साड़ी आपको रेडी टू वियर डिजाइन में मिल जाएगी। इससे लुक और भी ज्यादा अट्रैक्टिव लगेगा।

शरीर में विटामिन-डी का लेवल कम होने का असर

सेहतमंद रहने के लिए, शरीर के सभी अंगों का सही तरह से फंक्शन करना जरूरी है। इसके लिए, शरीर में विटामिन्स, मिनरल्स और कई हार्मोन्स का लेवल सही होना चाहिए। शरीर में जब जरूरी विटामिन्स या मिनरल्स की कमी होने लगती है, तो इसके कुछ लक्षण नजर आते हैं और इसकी वजह से हमारे बॉडी फंक्शन्स पर भी असर होता है। आयरन, कैल्शियम, मैग्नीशियम, विटामिन-ए, विटामिन-डी और विटामिन-बी12 समेत कई ऐसे विटामिन्स और मिनरल्स हैं, जिनकी कमी शरीर पर बुरा असर डाल सकती है। विटामिन-डी की कमी एक बेहद आम समस्या है, जिसका असर हमारे मूड, हार्मोन्स और गट हेल्थ पर भी होता है। क्या आपने कभी सोचा है कि अगर शरीर में विटामिन-डी का लेवल बहुत कम हो जाए, तो क्या होगा, चलिए इस बारे में एक्सपर्ट से समझते हैं। यह जानकारी डाइटिशियन दे रही हैं। उनके अनुसार शरीर में विटामिन्स, मिनरल्स और कई हार्मोन्स का लेवल सही बताया गया है।

शरीर में विटामिन-डी का लेवल बहुत कम हो जाए तो क्या होगा?

विटामिन-डी एक हार्मोन है। इसकी कमी का असर, हमारी गट हेल्थ और हार्मोनल सिस्टम पर भी होता है। शरीर में विटामिन-डी की कमी के कारण, कैल्शियम सही तरह से अब्जॉर्ब नहीं हो पाता है। गट हेल्थ के लिए, विटामिन-डी का सही मात्रा में होना जरूरी है। अगर आपके शरीर में विटामिन-डी बहुत कम है, तो आपका डाइजेशन खराब रह सकता है। शरीर में विटामिन-डी की कमी होने पर खून में कैल्शियम की कमी हो जाती है और बोन ग्रोथ पर असर होता है। इसकी वजह से बच्चों और बड़ों की हड्डियां कमजोर हो सकती हैं। विटामिन-डी का लेवल बहुत अधिक कम होने पर, शरीर की इंफेक्शन्स से लड़ने की क्षमता कम होने लगती है और बीमारियां हमें जल्दी घेर लेती हैं। शरीर में विटामिन-डी की मात्रा बहुत ज्यादा कम होने से, मांसपेशियां कमजोर हो सकती हैं। अगर आपको बहुत अधिक थकान महसूस हो रही है, तो यह विटामिन-डी का लेवल लो होने का संकेत है। इसकी कमी से वजह से पीरियड्स भी अनियमित हो सकते हैं। विटामिन-डी की कमी से शरीर में इंसुलिन सेंसिटिविटी कम हो जाती है और बेली के इर्द-गिर्द फैट जमने लगता है। इसकी वजह से वजन भी बढ़ने लगता है क्योंकि इसका असर हार्मोनल सिस्टम पर होता है। विटामिन-डी का लेवल बहुत अधिक कम होने से, डायबिटीज, कई प्रकार के कैंसर, डिप्रेशन, दिल की बीमारी, हाई बीपी और स्ट्रोक भी हो सकता है।

ठंड में बच्चों की खास केयर टिप्स

इस समय कड़ाके की सर्दियां पड़ रही हैं। इतनी ठंड में बच्चों का खास ध्यान रखने की जरूरत होती है। जरा सी लापरवाही हुई नहीं कि बच्चे तुरंत बीमार पड़ जाते हैं। वैसे तो सर्दियों में पैरेंट्स ज्यादातर बच्चों को घर में ही रखते हैं,लेकिन फिर भी स्कूल तो भेजना ही पड़ता है। सुबह-सुबह कड़ाके की ठंड में बच्चों को बाहर भेजना पैरेंट्स के लिए थोड़ा मुश्किल जरूर होता है। इस दौरान बच्चों को और भी खास केयर की जरूरत होती है। ऐसे में अगर आपके बच्चे भी सर्दियों में स्कूल जा रहे हैं तो इन खास बातों का ध्यान आपको जरूर रखना चाहिए।

गर्म कपड़ों से कवर कर के भेजें स्कूल

ठंड के मौसम में बच्चों का खास ख्याल रखने की जरूरत होती है। खासतौर पर अगर बच्चे स्कूल गोइंग हैं, तो उनके पहनावे का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। बच्चे को ठंड ना लगे इसके लिए उन्हें थर्मल वियर, स्वेटर के साथ मोजे, कैप ,ग्लव्स जैसी चीजें जरूर पहनाएं। हालांकि इसका मतलब यह बिल्कुल भी नहीं है कि बच्चों को जरूरत से ज्यादा कपड़े पहना दिए जाएं। ये उनके लिए थोड़ा सफोकेटिंग भी हो सकता है।

खान-पान का रखें ध्यान

ठंड के मौसम में सर्दी-जुकाम आदि की समस्या काफी बढ़ जाती है। ऐसे में अगर बच्चे की इम्युनिटी स्ट्रॉन्ग होगी, तो वो इन मौसमी बीमारियों के खतरे से बचा रहेगा। यही वजह है कि सर्दी के मौसम में बच्चों के खानपान का विशेष ध्यान रखने की जरूरत होती है। इस मौसम में हेल्दी फ्रूट्स और वेजिटेबल इजीली अवेलेबल रहते हैं, इन्हें बच्चे की डाइट में शामिल करें। इससे बच्चे हेल्दी भी रहेंगे और बीमारियों से भी बचे रहेंगे।

नींद भी होनी चाहिए पूरी

बच्चे हों या बड़े, फिजिकली और मेंटली स्ट्रांग रहने के लिए नींद पूरी होना बहुत जरूरी है। हालांकि मोबाइल फोन, टैबलेट और टीवी के इस जमाने में बच्चे इतना मशगूल हो जाते हैं कि उन्हें सोने-जागने, खाने-पीने की फिक्र ही नहीं रहती है। ऐसे में पेरेंट्स की जिम्मेदारी है कि वो इस बात का ध्यान रखें कि बच्चा भरपूर नींद ले। दिन भर पढ़ाई और भागदौड़ की वजह से बच्चे थक जाते हैं, ऐसे में सर्दियों के मौसम में उन्हें फिट और एक्टिव बनाए रखने के लिए कम से कम 8 से 9 घंटे की नींद जरूर दिलाएं।

ना हो बच्चे को मेंटल स्ट्रेस

सर्दियों के मौसम में दिन बहुत छोटा होता है, ऐसे में बच्चों के लिए टाइम मैनेजमेंट करना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। स्कूल और पढ़ाई के बीच में बच्चों को खेलने का समय नहीं मिल पाता है, जिसकी वजह से मानसिक तनाव होना स्वाभाविक है। ऐसे में पेरेंट्स की ये जिम्मेदारी है कि वो बच्चे के मेंटल स्ट्रेस को कम करने का प्रयास करें। पढ़ाई-लिखाई के साथ खेलकूद का भी प्रॉपर समय दें। जिससे बच्चों का दिमाग रिलैक्स हो सके।

वर्कआउट करना भी है जरूरी

सर्दियों के मौसम में बच्चों को वर्कआउट करने के लिए भी प्रेरित करें। दरअसल वर्कआउट करने से शरीर को हीट मिलती है, जिससे ठंड का असर थोड़ा कम होता है। सुबह रनिंग, जॉगिंग करने से बच्चों के शरीर को एनर्जी तो मिलेगी ही, साथ ही दिनभर उनका दिमाग एक्टिव और फ्रेश रहेगा। इसके अलावा बच्चे को आउटडोर गेम खेलने के लिए भी प्रोत्साहित करें।

अक्षय ने बताया अपना सबसे खतरनाक स्टंट

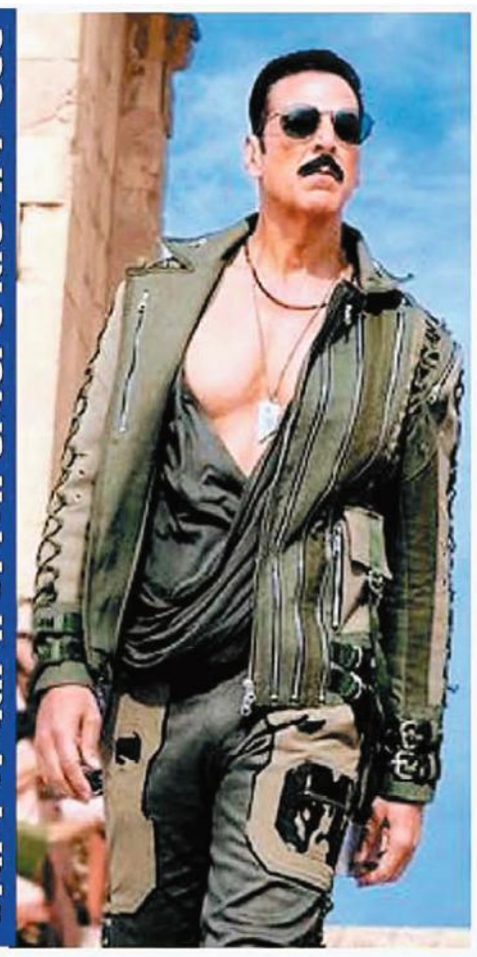

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार को उनके चाहने वाले 'खिलाड़ी कुमार' नाम से भी जानते हैं। उन्हें यह टैग खिलाड़ी सीरीज की फिल्मों के बाद मिला था। उनकी फिल्मों में कई खतरनाक स्टंट होते थे, जिन्हें ज्यादातर वह खुद ही किया करते थे। अक्षय कुमार ने 'खतरों के खिलाड़ी' नाम का स्टंट शो खुद ही होस्ट भी किया है। लेकिन क्या आप अक्षय कुमार द्वारा किए सबसे खतरनाक स्टंट के बारे में जानते हैं। अक्की ने खुद इस स्टंट और इसके दौरान हुए तजुर्बे के बारे में बताया था। अक्षय कुमार ने यह स्टंट साल 1998 में आई फिल्म 'अंगारे' के लिए किया था।

महेश भट्ट के निर्देशन में बनी इस फिल्म का बजट महज 3.5 करोड़ रुपये था और इसने बॉक्स ऑफिस पर 5.01 करोड़ रुपये की कमाई की थी। अक्षय कुमार इन दिनों अपनी फिल्म 'स्काय फोर्स' का प्र-मोशन कर रहे हैं। एक्टर ने 'द क्विंट' के साथ बातचीत में बताया कि उन्हें फिल्म 'अंगारे' के लिए एक बिल्डिंग से दूसरी बिल्डिंग पर जंप करना था। उन्हें सातवीं मंजिल से चौथी मंजिल पर छलांग लगानी थी। अक्षय कुमार ने बताया कि उनके स्टंट परफॉर्म करने से पहले ही महेश भट्ट वहां से भाग गए थे, क्योंकि उन्हें लगा कि वह (अक्षय) मर जाएंगे। अक्षय कुमार ने बताया, अंगारे में एक स्टंट था जिसमें मैं सातवीं मंजिल से कूदता हूं। बीच में एक रोड थी लेकिन सिर्फ एक लेन की, और दूसरी तरफ एक दूसरी इमारत थी। तो मुझे सातवीं मंजिल से चौथी मंजिल पर कूदना था। इस बीच मेरे डायरेक्टर भाग गए।ह अक्षय कुमार ने पुरानी यादें ताजा करते हुए कहा, रमहेश भट्ट मेरे डायरेक्टर थे, और मैं स्टंट कर पाता उससे पहले ही वो भाग गए। उन्होंने कहा- मेरे को नहीं देखना है, ये मर जाएगा। वो चले गए और मैंने वो शॉट बिना मेरे डायरेक्टर के दिया था।

भाग्यश्री बोलीं- ब्रा जलाते घूमना फेमनिजम नहीं

एक्ट्रेस भाग्यश्री का मानना है कि छोटे कपड़े पहनना, शराब पीना या गालियां देना पुरुषों की बराबरी नहीं। न ही ब्रा जला देना फेमनिजम है। उनका मानना है कि औरतों और पुरुषों को भगवान ने अलग तरह से बनाया है ताकि दोनों एक साथ आगे बढ़ सकें। इतना ही नहीं भाग्यश्री ने बताया की उनकी नजर में फेमनिजम क्या है। हॉटरपली से बातचीत में भाग्यश्री ने कहा, 'कई महिलाएं फेमनिजम के कॉन्सेप्ट को कुछ और समझ लेती हैं। मैं सिर्फ पुरुषों को ही दोष नहीं देती। मैं महिलाओं को भी दोष देती हूं। जब आप बोलते हैं पितृसत्ता लंबे वक्त से चल रही है और हम विद्रोह करना चाहते हैं। तो वो ब्रा जलाने वाली महिलाएं भी रही हैं जो जाकर बोलेंगी कि जो हमें पसंद हैं वो पहनेंगे, जैसे बात करनी हो करेंगे। लेकिन यह बराबरी कैसे हुई? गालियां देना या कम कपड़े पहनना, गलत व्यवहार करना या शराब पीना बराबरी कैसे हुई? क्यों? क्योंकि पुरुष ऐसा करते हैं? ये सब आपको फेमनिस्ट नहीं बनाता।' भाग्यश्री ने कहा कि बराबरी तो वो है जो महिला और पुरुषों को अपने सपने पूरे करने के लिए बराबर के अधिकार दे। वह बोलीं, 'भगवान ने महिलाओं को कुछ गुण प्राकृतिक रूप से दिए हैं। वह केयर करने वाली है, पोषण करने वाली है, ज्यादा सेंसिटिव है, वह पुरुष से ज्यादा सहनशील है। पुरुषों की कदकाठी बड़ी होती है। शायद उनके पास ज्यादा मसल्स इसलिए होती हैं ताकि शारीरिक रूप से वह प्रोटेक्टर होते हैं।

धनुष के साथ कृति सेनन होंगी उनकी अधूरी प्रेम कहानी की हीरोइन

डेढ़ साल पहले एक टीज़र सामने आया था जिसमें धनुष हाथ में आग की बोतल लिए भागते दिखते हैं। बैकग्राउंड में एक शानदार म्यूजिक बज रहा है। तब से लेकर अभी तक फैंस इस फिल्म के बारे में जानने का इंतजार कर रहे थे। फिल्म का नाम है 'तेरे इश्क में'। अब इस फिल्म का नया और दमदार टीज़र सामने आया है, जिसे देखने के बाद आप इस अब तक की जबरदस्त लव स्टोरी को स्क्रीन पर देखने का इंतजार नहीं रोक पाएंगे। रांझणा जैसी अधूरी लव स्टोरी बनाने वाले मेकर्स ने तेरे इश्क में के नए टीज़र में जिस तरह से कृति सेनन के किरदार को पेश किया है, वो बार-बार देखने से खुद को रोक नहीं पाएंगे। टीज़र की शुरुआत होती है कृति के हाथ में तेल की केन के साथ। बैकग्राउंड में एक खूबसूरत सा म्यूजिक है, जिसे पूरा सुनने का इंतजार बढ़ गया है, और साथ में एक बेहद ही शानदार शायरी। इससे बेहतर किसी किरदार का इंट्रो नहीं हो सकता। इस फिल्म में धनुष के किरदार शंकर के साथ कृति 'मुक्ति' बनकर आ रही हैं। तेरे इश्क में का डायरेक्शन आनंद एल राय कर रहे हैं, जो इससे पहले धनुष के साथ रांझणा और अतरंगी रे जैसी सफल फिल्मों में काम कर चुके हैं। फिल्म का प्रोडक्शन कलर येलो प्रोडक्शंस के बैनर तले हो रहा है। इसके लेखक हिमांशु शर्मा और नीरज यादव हैं, जो ऑडियंस को एक इमोशनल और दिलचस्प कहानी देने वाले हैं। इस फिल्म की सबसे बड़ी खासियत एआर रहमान और गीतकार इरशाद कामिल का संगम है। एआर रहमान के म्यूजिक और कामिल के गानों का मिश्रण ऑडियंस को एक बार फिर दिल छूने वाला अनुभव देने के लिए तैयार है। 'तेरे इश्क में' केवल एक लव स्टोरी नहीं बल्कि एक इमोशनल सफर होगा, जो ऑडियंस को रिश्तों की गहराई और जीवन के अलग-अलग पहलुओं से रूबरू कराएगा। आनंद एल राय और धनुष की जोड़ी एक बार फिर से ऑडियंस को कुछ खास देने की तैयारी में है। फिल्म 28 नवंबर 2025 को थिएटर में रिलीज हो रही है।

'द फैमिली मैन 3' में जयदीप अहलावत भी?

फिल्म मेकर जोड़ी राज और डीके ने ओटीटी सीरीज़ 'द फैमिली मैन' बनाई, जिसने अपने पिछले दो सीज़न से दर्शकों का जमकर मनोरंजन किया है। पिछले साल, मेकर्स ने सीरीज़ के तीसरे सीज़न की घोषणा की जिससे ओटीटी फैन्स में खुशी की लहर दौड़ गई।अब खबर ये भी है कि इस सीजन में दर्शकों के चहेते एक्टर जयदीप अहलावत भी शामिल होंगे। अब, खबर ये है कि उन्हें मनोज बाजपेयी के रोल के ऑपोजिट खड़ा किया गया है।

जब से यह खबर आई है कि जयदीप अहलावत 'द फैमिली मैन सीजन 3' में शामिल होंगे , तब से फैन्स उनके किरदार के बारे में हर डीटेल को लेकर एक्साइटेड हैं। इंडस्ट्री के एक इंटरनल सूत्र ने फिल्मफेयर से बातचीत में कहा कि इस पॉप्युलर शो के आने वाले सीजन में जयदीप अहलावत का किरदार मनोज बाजपेयी के साथ भिड़ने वाला है। कहा गया है कि 'द फैमिली मैन सीजन 3' में अहलावत का रोल काफी अहम है। सूत्र ने बताया, 'उनका किरदार मनोज बाजपेयी के श्रीकांत के खिलाफ होगा।'हालांकि, दो दिग्गजों का एक-दूसरे के खिलाफ खड़े होना ही अपने आपमें बहुत रोमांचक है, लेकिन इस बात की जानकारी नहीं दी गई है कि सीरीज की कहानी क्या होगी। मनोज बाजपेयी ने पहले दिए एक इंटरव्यू में बताया था कि दिसंबर 2024 तक टीम सीज़न 3 का का निर्माण पूरा करने के बाद, पोस्ट-प्रोडक्शन का काम कर देगी।

'देवा' पर चली सेंसर बोर्ड की कैंची

बॉलीवुड एक्टर शाहिद कपूर अपनी अपकमिंग फिल्म 'देवा' को लेकर सुर्खियों में हैं। तकरीबन 75 करोड़ रुपये की लागत में बन रही यह एक्शन थ्रिलर फिल्म 31 जनवरी 2025 को रिलीज होगी। लेकिन फैंस के लिए एक बैड न्यूज यह है कि CBFC ने फिल्म 'देवा' के कुछ सीन्स हटा दिए हैं। फिल्म को U/A सर्टिफिकेट दिए जाने से पहले सेंसर बोर्ड ने फिल्म से कुछ सीन हटा दिए हैं। पूजा हेगड़े और कुब्रा सेत स्टारर इस फिल्म में कुल 3 बदलाव किए गए हैं। निर्देशक रोशन एंड्रियूज से फिल्म में एक लिपलॉक सीन में बदलाव करने को कहा गया, जिसके बाद अब इस सीन से 6 सेकेंड का क्लिप हटा दिया गया है। इसके अलावा फिल्म से कुछ अश्लील इशारों वाले सीन भी हटाए गए हैं। कुछ जगह पर फिल्म में अपशब्दों का इस्तेमाल दिखाया गया था, उन्हें भी CBFC ने हटवा दिया है और इस जगह पर दूसरे शब्दों का इस्तेमाल करने की सलाह दी है। डायलॉग और सबटाइटल्स, दोनों जगह पर बदलाव किया जाएगा। मेकर्स ने फिल्म के एक सीक्वेंस को लेकर सफाई भी मांगी गई है। दरअसल मेकर्स ने फिल्म में एक जगह पर मुंबई के फोर्ट को हुतात्मा चौक रेफरेंस दिया है। बोर्ड ने मेकर्स ने ऐसा किए जाने की वजह पूछी है। इन सारे बदलावों के बाद अब फिल्म का रन टाइम घटकर 2 घंटे 36 मिनट रह गया है। सीबीएफसी की मार झेलने वाली यह शाहिद कपूर की पहली फिल्म नहीं है। इससे पहले साल 2024 में आई रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' पर भी सेंसर बोर्ड की कैंची चल चुकी है। फिल्म में कुछ लव मेकिंग सीन्स थे जिन्हें सेंसर बोर्ड ने हटा दिया था।

रश्मिका मंदाना ने लव लाइफ पर लगाई मुहर

रश्मिका मंदाना के सितारे इन दिनों बुलंदियों पर हैं। एक ओर जहां उनकी 'पुष्पा 2: द रुल' ब्लॉकबस्टर साबित हुई है, वहीं विक्की कौशल के साथ उनकी पीरियड ड्रामा फिल्म 'छावा' 14 फरवरी को रिलीज होने वाली है। और तो और, वह सलमान खान के साथ 'सिकंदर' की भी शूटिंग कर रही हैं, जो ईद के मौके पर रिलीज होने वाली है। लेकिन वर्कफ्रंट से इतर फैंस में रश्मिका की लव लाइफ को लेकर गजब सुगबुगाहट रहती है। ऐसी चर्चाएं हैं कि वह विजय देवरकोंडा को डेट कर रही हैं। मजेदार बात यह है कि अब एक्ट्रेस ने खुद एक नए इंटरव्यू में कह दिया है कि वह सिंगल नहीं हैं। जी हां, रश्मिका ने कहा है कि वह रिलेशन में हैं और उनका एक पार्टनर है। हालांकि, एक बार फिर एक्ट्रेस ने किसी का नाम नहीं लिया है। रश्मिका ने 'हॉलीवुड रिपोर्टर' के साथ एक इंटरव्यू में इसका जिक्र किया है। उन्होंने बताया कि उनका एक पार्टनर है। एक्ट्रेस से उनकी जिंदगी के 'हैप्पी प्लेस' यानी उस जगह या साथ के बारे में पूरा गया था, जहां वह सबसे खुश रहती हैं। रश्मिका ने इंटरव्यू में कहा, 'घर, मेरा घर ही मेरे लिए हैप्पी प्लेस है। मुझे वहां स्थिरता महसूस होती है। ऐसा लगता है जैसे मैं अपने जड़ों से जुड़ी हुई हूं। मुझे ऐसा महसूस होता है कि सफलता तो आ सकती है, जा सकती है। यह हमेशा के लिए नहीं है। लेकिन घर हमेशा के लिए है। पॉपलैरिटी अपनी जगह है, लेकिन मैं अभी भी सिर्फ एक बेटी, सिर्फ एक बहन, सिर्फ एक पार्टनर हूं। मैं असल में उस जीवन, उस निजी जीवन का सम्मान करती हूं जो मेरे पास है।'

सिकंदर के शूटिंग सेट से लीक हुआ यह वीडियो

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान की अपकमिंग फिल्म 'सिकंदर' का फैंस को बड़ी बेसब्री से इंतजार है। दबंग खान फिर एक बार एक्शन अवतार में नजर आने वाले हैं और इस फिल्म से भाईजान का फर्स्ट लुक ऑलरेडी रिलीज किया जा चुका है। सलमान खान ने फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है और इससे उनका फर्स्ट लुक ऑलरेडी रिलीज किया जा चुका है।सलमान खान को मिली जान से मारने की धमकियों के बीच मेकर्स काफी टाइट सिक्योरिटी के बीच उनके सीन्स फिल्मा रहे हैं। फिल्म की शूटिंग का एक वीडियो इंटरनेट पर लीक हुआ है। सलमान खान का यह वीडियो फिल्म की शूटिंग के दौरान उनके किसी फैन ने ही रिकॉर्ड किया है जिसमें दबंग खान टाइट सिक्योरिटी के बीच रेलवे स्टेशन पर एंट्री लेते नजर आ रहे हैं। सलमान खान के आगे-पीछे कई सारे लोग चल रहे हैं, लेकिन क्या यह उनकी सिक्योरिटी टीम है या फिर फिल्म में उन्हें किसी गैंग लीडर की तरह पेश किया गया है यह कहा नहीं जा सकता। स्टेशन पर टीटी और बाकी पुलिस स्टाफ भी नजर आ रहा है। वीडियो में सलमान खान को जींस और कैजुअल शर्ट में काफी एग्रेसिव अंदाज में सेट पर एंट्री लेते देखा जा सकता है। एक फैन ने इस वीडियो को पोस्ट करते हुए लिखा- ए आर मुर्गोदास (निर्देशक) तैयार हैं 1000 करोड़ वाली फिल्म देने के लिए। फिल्म की शूटिंग का यह वीडियो पोस्ट किए जाने के कुछ ही मिनटों के अंदर यह सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

सलमान फिर से बनेंगे सूरज बड़जात्या के 'प्रेम'

सलमान खान ने अपने कैरियर में कई बड़ी फिल्में फिल्ममेकर सूरज बड़जात्या के साथ दी हैं। उनकी पहली सफल फिल्म मैंने प्यार किया का निर्देशन सूरज बड़जात्या ने ही किया था। इसके बाद हम आपके हैं कौन, हम साथ साथ हैं, और प्रेम रतन धन पायो जैसी सुपरहिट फिल्में आईं। अब डायरेक्टर एक बार फिर सलमान के साथ काम करने की प्लानिंग कर रहे हैं। इस बार भी वह सलमान को प्रेम के रूप में ऑडियंस के सामने पेश करेंगे। हाल ही में दिए गए एक इंटरव्यू में डायरेक्टर ने इस पर बात की। डायरेक्टर ने बताया कि सलमान खान के साथ उनका नया प्रोजेक्ट प्रगति पर है। हालांकि, इस प्रोजेक्ट को ऑडियंस तक पहुंचने में अभी समय लगेगा। डायरेक्टर ने कहा कि उनके अगले प्रोजेक्ट में सलमान की उम्र बहुत मायने रखती है। इसी को ध्यान में रखते हुए वह प्रेम के एक नए वर्जन को बनाने में काम कर रहे हैं। सलमान को उनकी पिछली फिल्मों में प्रेम का किरदार देने का श्रेय सूरज बड़जात्या को जाता है। अब फैंस स्क्रीन पर इस नए प्रेम को देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। डायरेक्टर सूरज बड़जात्या ने सैफ अली खान के साथ हम साथ साथ हैं में काम किया था। सैफ पर हुए हमले के बारे में बात करते हुए डायरेक्टर ने कहा, मैं उनके लिए शुभकामनाएं देता हूं। वह एक योद्धा हैं और इस स्थिति से बहुत मजबूती के साथ बाहर निकलेंगे। सूरज बड़जात्या अपने नए प्रोजेक्ट के साथ अब OTT की दुनिया में कदम रख रहे हैं।

गुम है किसी के प्यार में

के प्रोमो में रेखा को देखकर मचा फैंस के बीच बवाल

सीरियल गुम है किसी के प्यार में की कहानी में रजत और सवि की कहानी खत्म होने को है. हाल ही में खबर आई थी कि सीरियल गुम है किसी के प्यार में के जनरेशन लीप का प्रोमो शूट में एवरग्रीन रेखा की एंट्री होने वाली है. इसी बीच मेकर्स ने रेखा का प्रोमो रिलीज कर दिया है. प्रोमो में रेखा एकदम किलर अंदाज में नजर आ रही हैं. रेखा ने एक बार फिर से गोल्डन कलर की साड़ी को अपनी पसंद बनाया है. इस दौरान रेखा अपनी मदमस्त कर देने वाली आवाज में शायरी पढ़ती नजर आईं. रेखा के इस अंदाज ने फैंस का दिल जीत लिया है. कुछ समय में ही रेखा का ये प्रोमो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है. लोग रेखा की तारीफ करते थक नहीं रहे हैं. लोग कह रहे हैं कि जब जब सीरियल गुम है किसी के प्यार में की रेटिंग गिरती है तब तब मेकर्स रेखा को ले आते हैं.

क्या है गुम है किसी के प्यार में की कहानी

सवि के बाद तेजस्विनी सीरियल गुम है किसी के प्यार में की कहानी आगे बढ़ाने वाली है. प्रोमो की शुरुआत एक दमदार सीन से होती है, जहां सनम जौहर स्टेज पर परफॉर्म कर रहे हैं. इस दौरान वैभवी हंकारे की उनसे मुलाकात होती है. जैसे-जैसे प्रोमो आगे बढ़ता है वैसे वैसे समझ आता है कि एक बार फिर से ये कहानी अधूरे प्यार को बयां करने वाली है. लाख कोशिश करने के बाद भी तेजस्विनी का प्यार अधूरा रह जाएगा. ऐसे में तेजस्विनी अपना मन मारते हुए किसी और के साथ शादी कर लेगी.

गुम है किसी के प्यार में में ये सितारे निभाएंगे लीड

शादी के बाद अचानक ही तेजस्विनी की जिंदगी में उसके एक्स की एंट्री हो जाएगी. अपने एक्स की वजह से तेजस्विनी एक बार फिर दोराहे पर आकर खड़ी हो जाएगी. सीरियल गुम है किसी के प्यार में की कहानी में में परम सिंह, वैभवी हंकारे और सनम जौहर मेन लीड के तौर पर नजर आने वाले हैं.

सुहागलों का इवेंट नहीं होना चाहिए : स्वामी अखिलेश्वरानंद

सनातन धर्म में पर्वों का वैज्ञानिक, धार्मिक आधार और महत्व है, आयोजन स्थल पर घमासान संभव

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

हमारे सनातन धर्म में धर्मशास्त्रों में पर्वों का विस्तृत वर्णन है और परंपराओं की आचार संहिता भी है। किसी भी पर्व में मुहूर्त, तिथि, नक्षत्र और दिन का बड़ा महत्व होता है। पर्वों को मनाने के पीछे लोकाचार की परंपरा और सुविचार होते हैं।

अधिकांश कथानक में देवी-देवता विशेष रूप से भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा की जाती है। सुहागले, सुहागन स्त्रियों के द्वारा मानाया जाने वाला लोकाचार पर्व है। इसमें सुहागन बहनों को सुहाग की सामग्री भेंट करने की परंपरा है। इसकी अपनी पूजा-पाठ और पद्यति है। होटल या सार्वजनिक स्थान पर नहीं किया जाना चाहिए। बात सुनने में आई है कि लोग इवेंट की तरह सुहागले, रजिस्ट्रेशन करा कर, शुल्क लेकर कर रहे हैं। यह तो बिल्कुल भी नहीं होना चाहिए। यह तो व्यापार का स्वरूप है। उक्त बातें महामंडलेश्वर स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरि ने सुहागलों के कार्यक्रम में मचे घमासान के बीच त्रिपुरी टाइम्स से चर्चा के दौरान कहीं। आयोजकों और अन्य लोगों की सोशल मीडिया की चैट्स त्रिपुरी टाइम्स को प्राप्त हुई है, जिसका स्क्रीन शॉट प्रस्तुत किया जा रहा है। पाठक देखें विचार करें और स्वयं निर्णय ले।

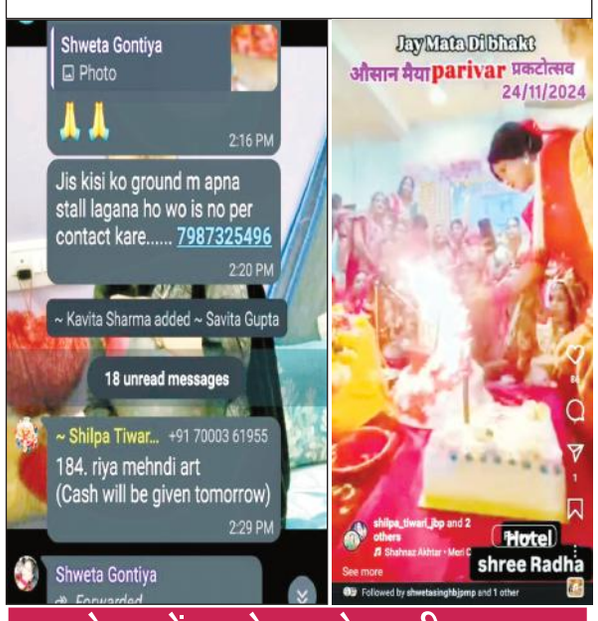

होटल में आयोजन, केक भी काटा

भारतीय परंपरा में सुहागलों का अपना एक विशेष महत्व है। इस पूजा का विधि विधान भी है। यह पूजा होटल या पार्क में नहीं होती। व्यक्ति अपने संकल्पों एवं सामर्थ के अनुसार घर में या मंदिर में इसका आयोजन करता है। विगत 24 नवम्बर 2024 को भी एक होटल में महिलाओं से रजिस्ट्रेशन फीस लेकर, रविवार के दिन सुहागलों का आयोजन किया गया था। यहां मातारानी के नाम का केक भी काटा था। यही लोग पुनः आज दिन में 12 बजे विजय नगर स्थित विकास नगर पार्क में सामूहिक सुहागलों का आयोजन कर रहे हैं। अनेक सनातनियों की इस कार्यक्रम से धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। कुछ विरोध भी कर रहे हैं, जिन्हें आयोजको द्वारा धमकी भी दी गई है।

कलेक्टर को सौंपा है ज्ञापन

बुधवार को हिंदू टाइगर फोर्स के कार्यकताओं ने साध्वी आत्मनिष्ठता के नेतृत्व में कलेक्टर को ज्ञापन सौंप कर इस तरह के धार्मिक आयोजन जो सनातनी मान्य परंपराओं के विपरीत और व्यापारिक रूप में हो रहा है, रोक लगाना चाहिए।

सनातन धर्म के विरुद्ध कोई आयोजन स्वीकार नहीं

विकास नगर में हो रहेसामूहिकसुहागा के आयोजन के विरोध में हिंदू धर्म सेना के प्रदेश संयोजक अर्पित सिंह ठाकुर ने कहा कि यदि 31 जनवरी को विजय नगर, विकास नगर पार्क में व्यावसायिक रूपी सुहागलों का आयोजन होता है, तो हिंदू धर्म सेना मैदान में उतरकर इसका विरोध करेगी। धर्म के नाम पर व्यापार नहीं चलेगा। सनातनी एकजुट रहना चाहिए।

आयोजकों के हौसले बुलंद

विगत 24 नवंबर 2024 को आयोजकों द्वारा होटल में आयोजित किए गए सुहागलों के सामूहिक आयोजन की सफलता से गद-गद होकर 31 जनवरी को आयोजन किया जा रहा है। कुछ महिलाओं ने विरोध किया जिसकी उन्हें परवाह नहीं और तरह-तरह से विरोध करने वालों को धमकाया जा रहा हैं।

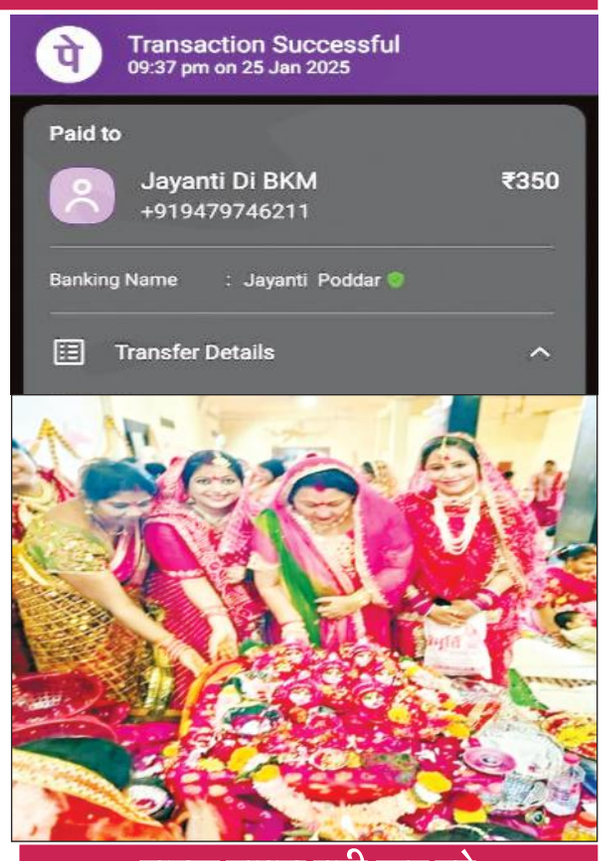

शुल्क वापस नही कर रहे

सामूहिक सुहागलो के पक्ष और विपक्ष में लोग बंट गए हैं। लगभग 200 महिलाओं ने रजिस्ट्रेशन कराया है। बवाल मचने के बाद कई महिलाओं ने आयोजकों से अपना शुल्क वापस मांगा, लेकिन उन्होंने शुल्क वापस नही किया। नाम न छापने की शर्त पर महिलाओं ने कहा कि यह आयोजन तो पूर्णतया सनातन परंपराओं के खिलाफ हो रहा है।

परंपराओं के अनुरूप हो आयोजन

विगत 24 नवंबर को आयोजित हुए सुहागलों के कार्यक्रम पर अपना मत रखने वाली प्रीति त्रिपाठी को आयोजक तरह-तरह से धमकी देकर उसकी आवाज दबाने का प्रयास कर रहे हैं। प्रीति जी का कहना है कि हम सुहागलों के विरोध में नहीं है। हम तो बस सनातन धार्मिक परंपराओं के साथ खिलवाड़ और व्यापार हो रहा है, इसके पक्ष में नहीं है। हम तो विरोध करेंगे।

कार्यक्रम की नहीं है अनुमति

कार्यक्रम के विरोध में बवाल मचने के बाद विजय नगर टीआई से बात की गई तो उन्होंने कहा कि सुहागलों के सामूहिक कार्यक्रम की कोई अनुमति नहीं है। अगर कोई पारिवारिक आयोजन है तो अनुमति की आवश्यकता नहीं है। लेकिन शुल्क लेकर कोई इवेंट आयोजित हो रहा है, तो हम नियमानुसार कार्रवाई करेंगे। वैसे हम आयोजकों को बुलाकर समझाएं दे रहे हैं, कि इस तरह का कार्यक्रम आयोजित ना करें।

वीरेन्द्र पवार
टीआई, विजय नगर

विज्ञापन एवं एजेंसी के लिए संपर्क करें
सिटी ऑफिस- त्रिपुरी भवन, जेडीए योजना क्रं. 18, ब्लाक नं. 9 मेजेनाइन फ्लोर, सिविक सेंटर, जबलपुर।
फोन : 0761-4085321

श्री शुभम् हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर
मल्टी स्पेशियेलिटी हॉस्पिटल
24 घंटे आकस्मिक चिकित्सा, सभी विभागों में भर्ती, एम्बुलेंस तथा दवाईयां, पैथोलॉजी तथा एक्सरे
मेडिसिन एवं हृदय रोग, जनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जरी, अस्थि रोग, नाक-कान-गला, स्त्री एवं प्रसूति रोग, बाल रोग, न्यूरो तथा स्पाइन, कैंसर, मूत्र रोग विभाग
•पाईजनिंग •बर्न यूनिट •हॉर्ट अटैक •एक्सीडेंट एवं ट्रॉमा यूनिट
मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य सनिर्माण कर्मकार मण्डल के हितग्राहियों हेतु नि:शुल्क उपचार की सुविधा उपलब्ध
मदन महल चौक, दशमेश द्वार के पास, नागपुर रोड, जबलपुर
फोन : 0761-4051253, 9329486447

JYOTI INNER ZONE
जबलपुर संस्कारधानी वासियों को नववर्ष 2025 की हार्दिक-हार्दिक शुभकामनायें
15% से 30% तक की भारी छूट
LUX cozi, AMUL MACHO, RUPA, JOCKEY, DIXCY SCOTT
1222, Main Road Ganjipura, Near Super Market, Jabalpur (M.P.) 0761-4038008

बेलखेड़ा पुलिस ने जब्त की 14 पेटी अवैध शराब

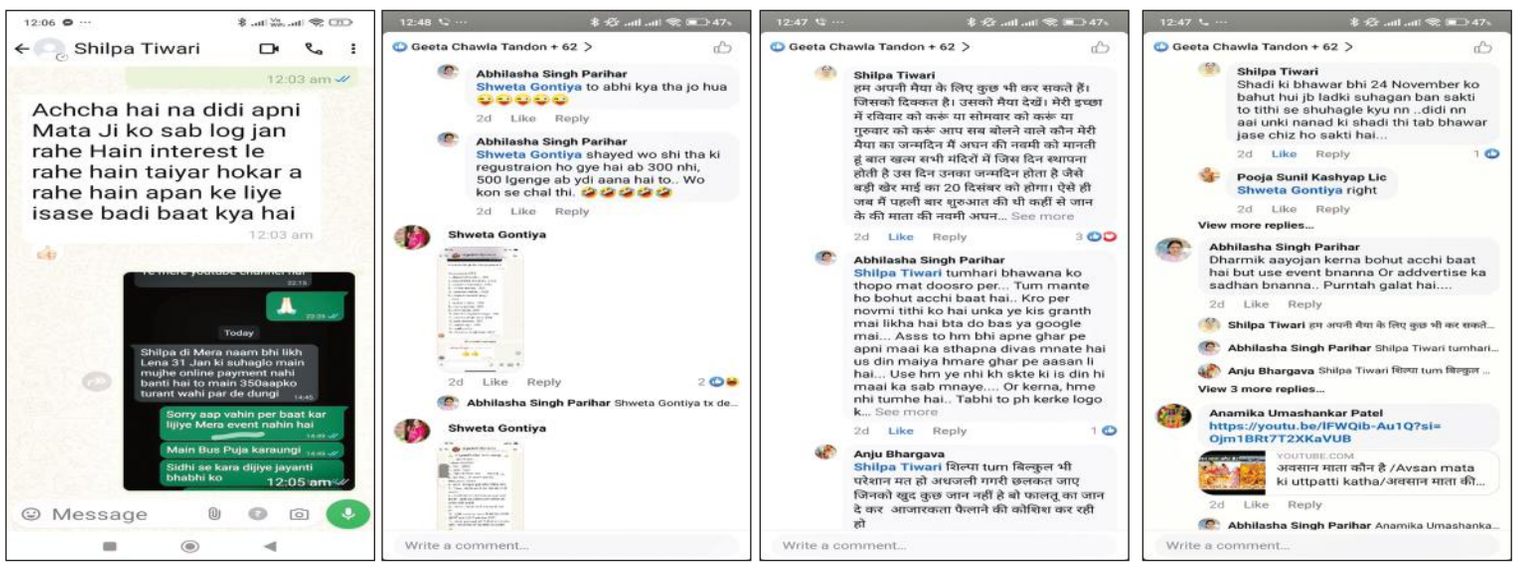

सामाजिक कार्यकर्ताओं ने तस्कर के घर में देखी शराब

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

बेलखेड़ा थाना से करीब 3 किलोमीटर दूर गुंदरई ग्राम में राजपाल लोधी के मकान के पीछे तलघर में रखी करीब 14 पेटी अवैध शराब मानव कल्याण संगठन के लोगों ने दबिश देकर पकड़ी है। सूचना पर पहुंची बेलखेड़ा पुलिस ने अवैध शराब जब्त करते हुए राजपाल लोधी के पर आबकारी एक्ट की धारा 34/2, का मुकदमा दर्ज किया है। जानकारी के मुताबिक संगठन जगीरा भाई की टीम के स्थानीय कार्यकर्ताओं के द्वारा मकान के नीचले हिस्से में14 पेटी अवैध शराब पकड़ी गई है, जिसकी कीमत 70 हजार रुपए बताई जा रही है। गौरतलब है कि करीब 6 माह पहले भी इसी टीम ने बेलखेड़ा के पास 96 पेटी अवैध शराब पुलिस को बुलाकर पकड़वाई थी, जिसमें आरोपी को पुलिस नहीं पकड़ पाई। 5 माह बाद आरोपी ने खुद को सरेंडर किया, लेकिन अभी तक पुलिस वह वाहन नहीं पकड़ सकी, जिसमें 96 पेटी शराब लाई गई थी।

शराब के रुपए न देने पर युवक पर डंडे से हमला

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

रांझी थानांतर्गत मुंडीटोरिया में बाप-बेटे ने मिलकर एक युवक पर डंडे से हमला कर लहुलुहान कर दिया। घटना को अंजाम देने के बाद वे दोनों उसे जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से भाग निकले।

पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले की जांच शुरु कर दी है। पुलिस ने बताया कि मुंडीटोरिया में रहने वाला शिवा वर्मा किसी काम से मोहल्ले की ही दुकान में गया था। जहां राकेश चौधरी और उसका बेटा आया और वे दोनों उसे शराब पीने के लिए एक हजार रुपए मांगने लगे। शिवा जब रुपए न होने की बात कहकर वहां से जाने लगा तो दोनों बाप-बेटे ने उसे हाथ-घूसों से पीटना शुरु कर दिया और जब इससे भी बात नहीं बनी तो डंडे से हमला कर दिया।

प्रदेश का अग्रणी संस्थान SINCE 1996
ACST Tally PYTHON JAVA C, C++ CPCT
नए बैच प्रारम्भ 40% छूट
चौपाटी के पास, सिविक सेंटर, जबलपुर मो: 4007077, 9993030707

JICS
माखनलाल चतुर्वेदी रा.प.एवं संचार विश्वविद्यालय से संबद्ध
प्रवेश प्रारंभ
M.Sc PG DCA DCA B.Com BCA TALLY
जबलपुर इंस्टीट्यूट ऑफ कम्प्यूटर साइंस
अधारताल भारत गैस के बाजू में मेन रोड जबलपुर
PH.:0761-4066631 Mo.:9827200559, 9893322108

यश नर्सरी हा. से. स्कूल Estd. 2004
बोर्ड कक्षाओं में सर्वश्रेष्ठ परिणाम के लगातार 15 वर्ष
9वीं /11 वीं फेल/ पास विद्यार्थी सीधे 10वीं/12 वीं फार्म भरें
10th/12th में परसेन्ट बढ़ाने CBSC/ICSE से MP BOARD में एडमीशन पर स्पेशल डिस्काउंट
English & Hindi Medium
बस एवं हॉस्टल सुविधा उपलब्ध
नोट:- हमारे प्रयास से श्रेष्ठ बच्चों के साथ-साथ कमजोर बच्चे भी बेहतर रिजल्ट लाकर दिखाते हैं, इसलिए हम देते हैं बोर्ड परीक्षाओं में शत् प्रतिशत 100% रिजल्ट
गुलाब टावर के सामने, साक्षी बाइक प्वाइंट के बाजू में मानसरोवर कालोनी, अधारताल, जबलपुर
सम्पर्क:- 9303580611, 6263988587, 7987974850, 0761-2680811 (समय- सुबह: 8 से शाम:4 तक)

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक डॉ. राजेश जायसवाल के लिए, एन.एम. पब्लिकेशन प्रा. लि., उखरी चौक, एम.आर.-4 रोड, जबलपुर (म.प्र.) से मुद्रित और कल्चुरी भवन हाउस नं. 3367/1, विवेक नगर, आधारताल, जबलपुर (म.प्र.) से प्रकाशित।
संपादक : डॉ.राजेश जायसवाल* सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जबलपुर रहेगा *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के जिम्मेदार। आरएनआई नं. MPHIN/2014/60079 मो. 9425154229, फोन-0761-4085321 e-mail: tripuritimes@gmail.com